सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
*जिंदगी एक खेल है जिसमें,
आप खिलाड़ी भी हो सकते हैं और खिलौना भी...!!*
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–63 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 24 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

अफीम की खेती पर रायगढ़ प्रशासन की ताबड़तोड़ कार्रवाई

तमनार के बाद लैलूंगा के नवीन घटगांव और मुड़ागांव में अफीम खेती का भंडाफोड़, आरोपी हिरासत में

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार रायगढ़ जिले में अवैध मादक पर्दाथों की खेती के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई जारी है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह के नेतृत्व में जिले में चलाए जा रहे अभियान के तहत बीते 72 घंटे में तमनार क्षेत्र के आमाघाट से लेकर लैलूंगा विकासखंड के ग्राम–नवीन घटगांव और मुड़ागांव तक अवैध मादक पदार्थ अफीम के खिलाफ कार्रवाई की गई, जिससे इस कार्य में जुडे.संलिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है।

इस संबंध में प्रशासन द्वारा पुलिस कंट्रोल रुम मे प्रेसवार्ता आयोजित की गई। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि शासन के निर्देशानुसार जिले में अवैध मादक पदार्थों की खेती पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सघन जांच एवं संयुक्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसके प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा सभी अनुविभागों में व्यापक ड्रोन सर्वे अभियान संचालित किया गया है। इस अभियान के तहत खरसिया (14 ग्राम), घरघोड़ा (10 ग्राम), तमनार (12 ग्राम), लैलूंगा (4 ग्राम), मुकडेगा (3 ग्राम), रायगढ़ (11 ग्राम), पुसौर (13 ग्राम) एवं धरमजयगढ़ (7 ग्राम) में सफलतापूर्वक सर्वे किया गया है। ड्रोन तकनीक के माध्यम से दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में भी निगरानी संभव हो सकी है, जिससे संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

कलेक्टर ने बताया कि पिछले एक से डेढ़ सप्ताह से जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों का गहन विश्लेषण और सर्वे किया जा रहा है। इस दौरान अफीम की खेती के दो मामले सामने आए थे। वहीं तीसरा मामला भी प्रकाश में आया है। उन्होंने बताया कि सभी मामलों में संबंधित धाराओं के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों की अवैध खेती कानूनन गंभीर अपराध है। इसमें संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। आगे भी ड्रोन सर्वे, सघन जांच एवं संयुक्त कार्रवाई इसी तरह लगातार जारी रहेगी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह ने बताया कि बीते 19 मार्च को मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तमनार क्षेत्र के आमाघाट में छापेमारी की। जांच के दौरान पाया गया कि यहां सब्जी की खेती की आड़ में अवैध रूप से अफीम की खेती की जा रही थी। कार्रवाई के दौरान लगभग 60,326 पौधे बरामद किए गए, जिनका अनुमानित बाजार मूल्य करीब 2 करोड़ रुपये आंका गया है। इस मामले में झारखंड निवासी मुख्य आरोपी मार्शल सांगा को हिरासत में लेकर विवेचना की जा रही है। मौके पर पूरी फसल को उखाड़कर जब्त किया गया तथा रोटावेटर और जेसीबी मशीन की सहायता से खेत को पूरी तरह नष्ट कर समतल किया गया। इस कार्रवाई में पुलिस, प्रशासन, कृषि, आबकारी एवं एफएसएल की टीम संयुक्त रूप से उपस्थित रही।

इसी क्रम में 23 मार्च को फिजिकल एवं ड्रोन सर्वे के दौरान लैलूंगा तहसील के ग्राम नवीन घटगांव में भी अवैध खेती का मामला सामने आया। यहां भूमिस्वामी सादराम नाग द्वारा अपने खेत में साग–भाजी के बीच छोटे क्षेत्र में अफीम की खेती की जा रही थी। पौधों में सफेद फूल आना प्रारंभ हो गया था तथा कुछ डंठल सूख चुके थे। पुलिस ने तत्काल फसल को जब्त कर आरोपी को हिरासत में लिया गया है। इसके अतिरिक्त ग्राम के ही एक अन्य व्यक्ति अभिमन्यु नागवंशी के घर से अफीम की सूखी फसल बरामद की गई। टीम के पहुंचने पर आरोपी द्वारा साक्ष्य नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा था, जिसे समय रहते विफल करते हुए सामग्री जब्त की गई।

लैलूंगा क्षेत्र के मुड़ागांव में तानसिंह नागवंशी से पूछताछ में लगभग 5 डिसमिल क्षेत्र में संदिग्ध फसल की खेती किए जाने की बात सामने आई है। उसके घर से पेड़, पत्तियां एवं तने के सूखे अवशेष प्रशासनिक टीम द्वारा बरामद कर जांच के लिए भेजा गया हैं। पुलिस टीम नारकोटिक्स के अधिकारियों के संपर्क में है, रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि अभी तक दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ किया जा रहा है, पूछताछ करने के बाद उनकी भूमिका पूरी तरीके से स्पष्ट हो जाएगी। जिसके बाद नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि इस प्रकार की किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन या पुलिस को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

कांग्रेस ने सरकार से पूछा 6 सवाल

अफीम की खेती का खुलासा संयोग है या सरकार का कृषि के क्षेत्र में नया प्रयोग? – दीपक बैज

रायपुर। दुर्ग, बलरामपुर के बाद रायगढ़ के तमनार की अफीम की खेती के खुलासे के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सरकार से सवाल किया है अफीम की खेती शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के गृह जिले दुर्ग में, कृषि मंत्री राम विचार नेताम के गृह जिले बलरामपुर तथा वित्त मंत्री ओपी चौधरी के गृह जिले रायगढ़ में अफीम की खेती होना क्या संयोग मात्र है या भाजपा सरकार का कृषि के क्षेत्र में नया प्रयोग? अफीम की खेती का खुलासा जनता ने किया है। जनता ने पुलिस से शिकायत किया, पुलिस और राजस्व अमला क्या कर रहा था। अफीम की लहलहाती खेती 15 दिन, 1 महीने में तो तैयार नहीं हुई है, धान की फसल के दौरान जब पटवारी और राजस्व अमला गिरदावरी रिपोर्ट तैयार कर रहे थे तो उन्हें कैसे पता नहीं चला कि खेतों में अफीम लगा हुआ है। अफीम की खेती के गिरदावरी में अन्य फसल तथा सब्जी कैसे लिखा गया।

दुर्ग में अफीम खेती का सरगना विनायक ताम्रकार के भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ मधुर संबंध थे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रभारी अजय जामवाल, बीएल संतोष, केन्द्रीय मंत्री तोखन साहू, केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, दुर्ग सांसद विजय बघेल, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, गृह मंत्री विजय शर्मा भाजपा संगठन के दजर्नों नेताओं के साथ उसकी फोटो तथा भाजपा के कार्यक्रमो में उसकी सक्रिय सहभागिता बताती है। क्या भाजपा अपने इन नेताओं पर कार्रवाई करेगी। भाजपा ने विनायक ताम्रकार को पार्टी से क्यों नहीं निकाला? विनायक ताम्रकार को भाजपा क्यों बचाना चाहती है। उसको पुलिस ने मुख्य आरोपी क्यों नहीं बनाया उसे एफआईआर में तीसरे क्रम पर क्यों रखा गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अफीम की खुलेआम खेती प्रदेश के सभी क्षेत्रों में हो रही है। इसका सीधा मतलब है कि इस खेती के पीछे सरकार का संरक्षण है। जो मामले पकड़ा रहे वह जनजागरूकता के कारण पकड़ा रहे, सरकार अफीम की खेती करने वालों को संरक्षण दे रही है।

अफीम तस्करी का खुलासा: फरार सप्लायर सहित दो आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। कुम्हारी थाना क्षेत्र में सामने आए अफीम तस्करी प्रकरण में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार सप्लायर समेत दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से मुख्य आरोपी से जुड़े तस्करी नेटवर्क का खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, 17 मार्च 2026 को खारुन ग्रीन कॉलोनी, कुम्हारी में कार्रवाई करते हुए आरोपी गुरमेल सिंह के कब्जे से 403 ग्राम अफीम और 14 लाख 46 हजार रुपये नकद बरामद किए गए थे। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया था।

मामले की विस्तृत विवेचना के दौरान पुलिस ने मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड (उऊफ़) और बैंक लेन–देन का विश्लेषण किया, जिसके आधार पर अफीम सप्लाई नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की पहचान की गई। इसी कड़ी में 23 मार्च को शिवप्रसाद कुमार साहू (26 वर्ष), निवासी लांजी, जिला गुमला (झारखंड) और रेशम सिंह उर्फ पप्पू पाजी (60 वर्ष), निवासी टाटीबंद हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, रायपुर को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 11 ग्राम अफीम और दो मोबाइल फोन (कीमत करीब 25,500 रुपये) जप्त किए हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई जारी है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपी अवैध लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री में संलिप्त थे। पुलिस अब पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है।

इस कार्रवाई में थाना कुम्हारी के उप निरीक्षक सहित आरक्षक किरण, आरक्षक सचिन सिंह और अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि मादक पदार्थों की अवैध तस्करी या क्रय–विक्रय से संबंधित कोई भी जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि ऐसे अपराधों पर सख्ती से रोक लगाई जा सके।

त्वरित टिप्पणी

पश्चिम एशिया संकट : संतुलन संयम और भारत की परीक्षा

आलोक तिवारी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विस्तृत संबोधन केवल एक सरकारी बयान नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की रणनीतिक दिशा का संकेत भी है। यह संकट सिर्फ युद्ध का नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, कूटनीति और मानवीय सरोकारों की एक साथ परीक्षा है—और भारत इन सभी मोर्चों पर खुद को संतुलित रखने की चुनौती से गुजर रहा है।

सुरक्षा ही सर्वोच्च प्राथमिकता– प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि खाड़ी देशों में रह रहे लगभग एक करोड़ भारतीयों की सुरक्षा सवोच्च प्राथमिकता है। युद्ध के बीच 3.75 लाख से अधिक भारतीयों की सुरक्षित वापसी यह दर्शाती है कि सरकार ने संकट प्रबंधन में सक्रियता दिखाई है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या यह अस्थायी समाधान है या भारत को भविष्य के लिए स्थायी प्रवासी सुरक्षा नीति पर और गंभीरता से काम करना होगा।

ऊर्जा सुरक्षा असली चुनौती– होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे रणनीतिक मार्गों पर खतरा भारत के लिए सीधी चिंता है। देश की 60 प्रतिशत से अधिक ऊर्जा जरूरतें आयात पर निर्भर हैं और उसमें भी बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। प्रधानमंत्री द्वारा ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण (27 से बढ़ाकर 41 देश) और रणनीतिक भंडारण की बात निश्चित रूप से दूरदर्शी है, लेकिन यह भी सच है कि वैश्विक संकट के समय बाजार की अनिश्चितता इन व्यवस्थाओं की असली परीक्षा लेती है।

संतुलित कूटनीति– भारत ने इस पूरे संकट में स्पष्ट रूप से किसी पक्ष का समर्थन करने के बजाय संवाद और शांति का रास्ता अपनाने की अपील की है। यही भारत की पारंपरिक विदेश नीति की पहचान भी रही है। प्रधानमंत्री ने विभिन्न देशों के नेताओं से बातचीत कर तनाव कम करने का प्रयास किया—यह सक्रिय तटस्थता (Active Neutrality) की नीति का उदाहरण है।

लेकिन आज की दुनिया पहले जैसी नहीं रही। संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक संस्थाएं कमजोर दिख रही हैं, महाशक्तियां अपने–अपने हितों में उलझी हैं। ऐसे में भारत की यह संतुलनकारी नीति कितनी प्रभावी होगी, यह आने वाला समय तय करेगा।

आर्थिक व्यवस्था पर भी पड़ेगा असर– प्रधानमंत्री ने सही कहा कि यह संकट केवल युद्ध नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोरने वाला घटनाक्रम है। तेल की कीमतें, आपूर्ति श्रृंखला और निर्यात–आयात पर इसका असर साफ दिख रहा है। हालांकि, भारत के मजबूत आर्थिक आधार और वैकल्पिक ऊर्जा पर बढ़ते फोकस (इथेनॉल, सोलर, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी) ने जोखिम को कुछ हद तक कम किया है। फिर भी, यह एक सच्चाई है कि यदि संघर्ष लंबा खिंचता है, तो महंगाई, रोजगार और उद्योग पर दबाव बढ़ सकता है।

राष्ट्रीय सुरक्षा और आंतरिक सतकर्ता– प्रधानमंत्री का यह संकेत महत्वपूर्ण है कि ऐसे समय में आंतरिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और सीमाओं की निगरानी को और मजबूत किया जा रहा है। साथ ही कालाबाजारी और जमाखोरी पर सख्ती की चेतावनी यह दर्शाती है कि सरकार केवल बाहरी नहीं, आंतरिक मोर्चे पर भी सजग है।

भारत की भूमिका : मध्यस्थ या मूक दर्शक – सबसे बड़ा सवाल यही है—क्या भारत केवल अपने हितों की रक्षा करेगा या वैश्विक मंच पर एक मध्यस्थ (Mediator) की भूमिका भी निभाएगा? भारत के पास आज वह कूटनीतिक पूंजी है—अमेरिका से रिश्ते, रूस से संबंध, खाड़ी देशों से आर्थिक जुड़ाव और ब्रिक्स जैसे मंचों पर प्रभाव। लेकिन इन सभी को संतुलित करते हुए निर्णायक भूमिका निभाना आसान नहीं है।

एकजुटता ही ताकत – प्रधानमंत्री ने संसद और देश से एकजुट रहने की अपील की है—यह केवल औपचारिक बात नहीं, बल्कि इस संकट की वास्तविक आवश्यकता है। भारत आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां उसे न केवल अपने नागरिकों और अर्थव्यवस्था की रक्षा करनी है, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था में अपनी भूमिका भी तय करनी है। यह समय घबराने का नहीं, बल्कि धैर्य, संयम और दूरदर्शिता के साथ आगे बढ़ने का है।

क्योंकि इस संकट में केवल युद्ध नहीं हो रहा—दुनिया का नया संतुलन भी तय हो रहा है, और भारत को उसमें अपनी जगह मजबूत करनी होगी।

प्रदेश सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के मीडिया प्रभारी बने निशु पाण्डेय

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई के कलाकार एवं भाजपा के कार्यकर्ता निशु पाण्डेय को भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश मीडिया प्रभारी के रूप में एक बड़ा दायित्व प्रदान किया है। इस दायित्व के लिये निशु पाण्डेय ने प्रदेश नेतृत्व करता के साथ–साथ दुर्ग सांसद विजय बघेल एवं जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन का आभार व्यस्त किया है साथ ही सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक अनुपम पॉल एवं सहसंयोजक शरद श्रीवास्तव ने इस कार्याकाल में जो दायित्व देकर मुझपर विश्वास जताया उसके लिए आभार व्यस्त किया।

नव नियुक्त निशु पाण्डेय ने विश्वास दिलाया है उनका कार्य कलाकारों के उत्थान के लिये होगा और वे अपने भारतीय जनता पार्टी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रदेश मिडिया प्रभारी के दायित्व को पुरे जिम्मेदारी से निभाएंगे। बधाई देने वाले में प्रमुख रूप से शारदा गुप्ता, मदन सेन, डॉ. रमेश श्रीवास्तव, कन्हैया सोनी, बृजमोहन उपाध्याय, बंटी नाहर, विनोद उपाध्याय, जेपी घनघोरकर, संतोष जयसवाल, गुरनाम सिंह , महेश वर्मा, ओमप्रकाश यादव, राजू, सुभाष शर्मा , रमेश देशमुख, नेहरू साहू, तुषार देवांगन, निर्मल भारती, छोटू पासवान, मृगेंद्र कुमार, हरीशचंद्र भारती, शक्ति सिंह, टिंकू, संजय दुबे, संजय साहू, गिरीश दिलीप दामले, नरेश, संतोष सोनी, अमोल साहु, अनिल सिंह, पीसी प्रसाद, योगेश यदु, मूकेश अजय प्रसाद ने बधाई दी है।

महापौर नीरज पाल कल करेंगे बजट पेश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर निगम भिलाई में आगामी वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए बजट 25 मार्च को सामान्य सभा में पेश किया जाएगा। यह बजट कई मायनों में बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि कांग्रेस शासित निगम में महापौर नीरज पाल का यह कायर्काल का अंतिम यानी पांचवां बजट होगा। ऐसे में यह सिर्फ आय–व्यय का दस्तावेज नहीं, बल्कि पूरे कार्यकाल के रिपोर्ट कार्ड की तरह भी देखा जा रहा है।

अब असली परीक्षा

महापौर नीरज पाल और निगम प्रशासन के लिए यह बजट इमेज मेकओवर का आखिरी मौका भी है। अगर इस बार ठोस फैसले और स्पष्ट रोडमैप नहीं दिखा, तो जनता का भरोसा और कमजोर हो सकता है। अब निगाहें 25 मार्च की सामान्य सभा पर हैं—क्या भिलाई को मिलेगा विकास का ब्लूप्रिंट या फिर एक और कॉपी–पेस्ट बजट?

क्या होगा बजट का फोकस : निगम का बजट मुख्य रूप से 1 अप्रैल से 31 मार्च तक के लिए आय (कर, अनुदान) और व्यय (विकास कार्य, वेतन, रखरखाव) की रूपरेखा तय करेगा। इसमें शहर की बुनियादी सुविधाओं—पानी, सड़क, रोशनी, सफाई—के लिए फंड का आवंटन प्रमुख रहेगा। साथ ही वित्तीय अनुशासन और करदाताओं के पैसे के उपयोग पर भी नजर रहेगी।

पानी का संकट, टंकियां बनीं, पर योजना अधूरी : शहर में लंबे समय से पानी संकट बना हुआ है। चार नई पानी टंकियों का निर्माण लगभग पूरा होने की स्थिति में है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इन्हें भरने और वितरण की ठोस योजना कब लागू होगी? बीते साल सामान्य सभा में इस मुद्दे पर जमकर बवाल हुआ था, लेकिन उसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

सफाई व्यवस्था–इंदौर से ट्रेनिंग, जमीन पर जीरो असर : विपक्ष ने सफाई व्यवस्था में भारी भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। सभी पार्षद इंदौर से प्रशिक्षण लेकर लौटे, लेकिन शहर की सफाई व्यवस्था में कोई बड़ा बदलाव नजर नहीं आया। हालात वही—कचरा उठाव में लापरवाही, कई वार्डों में गंदगी का अंबार। सबसे बड़ा सवाल खर्च को लेकर है—रिसाली क्षेत्र अलग होने के बाद भी सफाई पर खर्च कम होने के बजाय बढ़ गया। आखिर कम क्षेत्र में ज्यादा खर्च क्यों?

सड़कों और जलभराव का संकट : कई वार्ड आज भी मूलभूत सुविधाओं से जूझ रहे हैं। बारिश के दौरान पूरा शहर जलमग्न हो गया था। अब देखना होगा कि क्या इस बजट में जल निकासी और सड़कों के लिए ठोस और जिम्मेदार योजना लाई जाती है या फिर वही पुराने वादे दोहराए जाएंगे।

भ्रष्टाचार पर चुप्पी क्यों : भारतीय जनता पार्टी द्वारा निगम में भ्रष्टाचार की जांच के लिए समिति बनाई गई थी, लेकिन वह भी अब निष्क्रिय नजर आ रही है। विपक्ष के पार्षद भी पहले जितने आक्रामक नहीं दिख रहे। ऐसे में जनता के बीच यह सवाल गूंज रहा है—क्या भ्रष्टाचार अब मुद्दा नहीं रहा?

आय बढ़ाने और टैक्स वसूली पर क्या रणनीति : निगम की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए आय के नए स्रोत तलाशना और बकाया संपत्ति कर की वसूली बड़ा मुद्दा है। क्या इस बार सख्ती दिखेगी या फिर सिफारिशों के चलते पुराने ढर्रे पर ही काम चलता रहेगा?

स्मार्ट सिटी के वादे—कागज या हकीकत : पिछले बजट में उऊळश नेटवर्क, स्मार्ट लाइटिंग, ई–गवर्नेंस और पुराने व्यावसायिक परिसरों के विकास जैसी योजनाओं का ऐलान हुआ था। लेकिन इनमें से कितनी योजनाएं धरातल पर उतरीं और कितनी सिर्फ फाइलों में रह गईं—इसका हिसाब इस बार देना होगा।

जुमला या जमीनी काम : भिलाई की जनता इस बार बजट को खास नजर से देख रही है। सवाल साफ है- पिछले बजट के कितने वादे पूरे हुए। कितने अधूरे रह गए और कितने सिर्फ जुमले साबित हुए।

चरित्र शंका में दरिंदा बना पति, अपनी ही पत्नी को जिंदा जलाने की कोशिश

पेट्रोल छिड़ककर जलाने पहुंचा, किसी तरह बची महिला, आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार

घरेलू विवाद और अविश्वास का खौफनाक चेहरा सिमगा थाना क्षेत्र में सामने आया है, जहां एक पति ने चरित्र शंका के चलते अपनी ही पत्नी को जिंदा जलाने की कोशिश कर दी।

मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी रिषभ मसीह उर्फ बंटी ने 25 जनवरी 2026 को अपनी पत्नी पर किसी अन्य व्यक्ति से संबंध होने का आरोप लगाते हुए पहले मारपीट की, फिर उस पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने की कोशिश की। हालांकि, पीड़िता किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाने में सफल रही।

पिकनिक जाने की बात पर भड़का विवाद

पीड़िता ने लिमतरा पुलिस सहायता केंद्र में दर्ज शिकायत में बताया कि वह अपने माता–पिता के साथ पिकनिक के लिए जाने की तैयारी कर रही थी। इसी दौरान पति ने उस पर चरित्र शंका जताते हुए विवाद शुरू कर दिया, जो देखते ही देखते जानलेवा हमले में बदल गया। इस मामले में अपराध क्रमांक 43/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया। भावना गुप्ता पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

पूर्व में भी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहा है आरोपी

पुलिस के अनुसार 29 वर्षीय आरोपी सिमगा थाना क्षेत्र का पूर्व में भी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहा है। फिलहाल उसे 23 मार्च 2026 को न्यायालय में पेश किया जा रहा है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि संदेह और अविश्वास जब हिंसा में बदलते हैं, तो उसके परिणाम कितने भयावह हो सकते हैं।

समान वेतन व नियमितीकरण की मांग को लेकर अतिथि शिक्षकों ने किया शिक्षामंत्री निवास का घेराव

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ में प्रांतीय अतिथि शिक्षक (विद्यामितान) अपनी मांगों को लेकर रविवार को सड़कों पर उतर आए। बड़ी संख्या में शिक्षकों ने दुर्ग में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के निवास का घेराव कर प्रदर्शन किया और सरकार से नियमितीकरण व समान वेतन की मांग उठाई। सरगुजा, कांकेर समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे शिक्षकों ने छत्तीसगढ़ प्रांतीय अतिथि शिक्षक संघ के बैनर तले विरोध जताया। उनका कहना है कि वे वर्षों से नियमित शिक्षकों की तरह कक्षा शिक्षण, आईसीटी प्रशिक्षण, निर्वाचन कार्य, एनएसएस, बोर्ड परीक्षा ड्यूटी और कॉपी मूल्यांकन जैसे सभी दायित्व निभा रहे हैं, बावजूद इसके उन्हें स्थायी दर्जा और समान वेतन नहीं दिया जा रहा।

कड़ी सुरक्षा में शांतिपूर्ण प्रदर्शन

प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने मंत्री निवास के बाहर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। तीन थाना प्रभारियों के साथ भारी पुलिस बल तैनात रहा। हालांकि प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा और शिक्षकों ने अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों ने बताया कि हाल ही में विधानसभा में अतिथि शिक्षकों को हटाए जाने की चर्चा से उनके बीच असमंजस की स्थिति बन गई थी। इसी को लेकर उन्होंने मंत्री से स्पष्ट नीति और भविष्य को लेकर ठोस निर्णय की मांग की।

मंत्री यादव ने दिया आश्वासन

प्रदर्शन के बाद शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने शिक्षकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि अतिथि शिक्षकों को हटाने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है और इस तरह की बातें बेबुनियाद हैं। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार कर रही है। शिक्षकों के अनुसार मंत्री ने बताया कि मानदेय का निर्धारण उनकी पात्रता के आधार पर किया जाएगा और पूरे मामले पर कैबिनेट में चर्चा के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। सरकार जल्द समाधान निकालने की दिशा में काम कर रही है।

क्या हैं मुख्य मांगें

अतिथि शिक्षकों ने मंत्री के समक्ष कई प्रमुख मांगें रखीं, जिनमें—स्कूल शिक्षा विभाग में संविलियन, समान कार्य के बदले समान वेतन, ग्रीष्मकालीन अवकाश का मानदेय, सरकारी कर्मचारियों की तरह अवकाश सुविधा, शिक्षकों ने बिलासपुर हाईकोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि कोर्ट भी उनके पक्ष में निर्देश दे चुका है, इसलिए सरकार को जल्द निर्णय लेना चाहिए।

खास खबर

प्रौढ़ शिक्षा केवल पढ़ना-लिखना नहीं यह आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का नई शुरुआत है : संगीता

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शासकीय हाई स्कूल अंजोरा में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आदेशित उल्लास(जन जन साक्षर) बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आकलन राष्ट्रीव्यापी महापरीक्षा अभियान का आयोजन हुआ। परीक्षा महाअभियान में शामिल होने वाले ग्रामीणो का क्षेत्र की जनपद सदस्य संगीता साहू ने तिलक लगाकर व माला पहनाकर स्वागत कर उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि जब समाज मिलकर आगे बढ़ता है तभी हर व्यक्ति ज्ञान की रोशनी से जगमगाता है। सहयोग से हीं शिक्षा का दीप जलता है। और यही दीप एक सशक्त समाज का निर्माण करता है। सरकार का मंशा है की 15 वर्ष से अधिक आयु के उन वयस्कों को साक्षर करना जो कभी स्कूल नहीं गए। जिससे निरक्षर लोगों शिक्षा के साथ-साथ प्रमाण पत्र भी मिलते है जिससे उनके जीवन में आने वाले बहुत सारे कार्यों में उपयोगी होते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्कूल की प्राचार्य संगीता साहू, सरपंच संतोष सारथी, उपसरपंच माखन साहू, पंच श्यामू साहू, कपिल साहू, जन्मेजय साहू, प्रभारी प्रचार्य होरी लाल चतुर्वेदी,शिक्षिका उमा राठौर, अभिलाषा साहू, ममता शर्मा, भिनेश्वरी साहू, शारदा साहू, शिक्षक मनोज गुप्ता, आकाश दुबे, शाहिद बड़ी संख्या में लगभग 50 प्रतिभागी उपस्थित थे।

श्रीरामनवमी में निकालेगी भव्य शोभायात्रा

कुम्हारी। सेवा संकल्प समिति कुम्हारी द्वारा विगत पांच वर्षो से भव्य श्री रामनवमी शोभायात्रा निकाला जा रहा हैं 27/03/26 दिन शुक्रवार को भव्य श्री राम नवमी शोभायात्रा निकाला जाएगा। जिसमें विशेष आकर्षण भगवान हनुमान, श्रीराम जानकी झांकी, भगवा प्रदर्शन एवं भव्य आतिशबाजी के साथ श्रीराम नारे एवं जयकारे की प्रस्तुति शामिल रहेगा। समिति के सचिव सुजीत यादव ने बताया कि शाम को श्रीराम जी का पूजा अचर्ना के बाद वार्ड 5 बाजार चौक से निकलेगी जो कि वार्ड 7 रामनगर होते हुए,वार्ड 4,वार्ड 8 शांति नगर,वार्ड 9 प्रभात चौक,वार्ड 10 अंबू दुकान के सामने से,वार्ड 15 बड़ी कॉलोनी,बिजली ऑफिस के सामने वार्ड 14 से होते हुए विभिन्न वार्डों का भ्रमण करते हुए वापस बाजार चौक में समापन किया जाएगा।

एक नारी शिक्षित होती है तो दो परिवार और पूरा समाज शिक्षित होता है : विधायक चंद्राकर

विधायक ललित चंद्राकर ने किया उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जीविका स्वयं सहायता समूह एवं हमर हटरी परिवार के तत्वाधान में तुलसी पैलेस धनोरा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम बड़ी धूम धाम से मनाया गया। इस समारोह में में अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सम्मिलित हुआ। इस अवसर पर नारी शक्ति को नमन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं नवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर नारी शक्ति को शक्ति साधना का महापर्व नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख, समृद्धि एवं जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की कामना करते हुए कहा कि नारी शक्ति, मातृ शक्ति का सम्मान व चेतना जागृत करने के लिए आज पूरी दुनिया में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन हो रहा है। उन्होंने अपने परिवार में अपनी माता एवं महिलाओं द्वारा मिले संस्कारों एवं अनुभवों को सांझा करते हुए कहा कि चूँकि माँ बच्चें की प्रथम पाठशाला एवं शिक्षिका होती है, जिस घर में महिलाओं द्वारा बच्चों को अच्छा संस्कार दिया जाता है वह परिवार विचारवान, संस्कारवार एवं समृद्धवान होता है।

उन्होंने महान सम्राट शिवाजी की महानता की पिछे माता जीजावाई जैसे महिला के योगदान को उद्दत करते हुए कहा कि हर पुरूष की सफलता एवं स्वस्थ्य समाज निर्माण के पिछे कही न कही नारी शक्ति का योगदान होता है। श्री चंद्राकर ने कहा सशक्त माताएं - समृद्ध छत्तीसगढ़, महतारी वंदन का गौरवशाली सफर. प्रदेश की माता-बहनों के जीवन को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए विष्णु देव सायं डबल इंजन सरकार ने संकल्प लिया था कि हर महिला को 1000 की आर्थिक सहायता मिलेगी। हमारी सरकार इस वादे को पूरा करते हुए हर महीने मातृशक्ति के खाते में राशि पहुंचा रही है।

आज किश्त जारी कर दिया है।छत्तीसगढ़ की हर महिला के सशक्त भविष्य के लिए, महतारी वंदन योजना का यह सफर निरंतर जारी रहेगा। हमारी सरकार निरंतर महिलाओं के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि हमारी संस्कृति में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है और जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का निवास होता है। उन्होंने कहा कि पहले महिलाएं घरों तक सीमित रहती थीं, लेकिन आज प्रदेश की महिलाएं स्व सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

उन्होंने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में माताओं-बहनों की बड़ी भूमिका होगी। आज महिलाएं गांवों में सेंट्रिंग प्लेट उपलब्ध कराने से लेकर ड्रोन उड़ाने तक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। श्री चंद्राकर ने कहा कि जहां नारियों की पूजा होती है, वहां देवताओं का वास होता है। एक नारी शिक्षित होती है तो दो परिवार और पूरा समाज शिक्षित होता है।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व कैबिनेट मंत्री रामशिला साहू, पद्मश्री उषा बारले ,उतई मंडल अध्यक्ष शीतल ठाकुर, सरपंच रूलेश्वरी बंजारे, ललेश्वरी साहू ,यमुना साहू पार्षद सरिता चंद्राकर रुक्मणी चतुर्वेदी श्री पीयूष श्रीवास्तव भाजपा मंडल अध्यक्ष कौशल साहू सहित बड़ी संख्या में नारी शक्ति उपस्थित रहे।

मंत्री राजवाड़े ने कहा जल्द जुड़ेंगे महतारी वंदन योजना में छूटे नाम

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

भिलाई में आयोजित सहकार भारती के राज्य स्तरीय महिला सहकारिता सम्मेलन में प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने महंगाई, गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों, धर्म स्वतंत्रता विधेयक और महतारी वंदन योजना जैसे मुद्दों पर सरकार का पक्ष रखा। पत्रकारों से चर्चा में मंत्री ने कहा कि गैस सिलेंडर की कीमतों को केवल महंगाई के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं का असर भारत पर भी पड़ता है। कुछ समय के लिए कठिनाइयां आती हैं, लेकिन देश सुरक्षित है, यह सबसे बड़ी बात है।

बाहरी परिस्थितियों से प्रभावित हैं कीमतें

मंत्री ने बताया कि गैस सिलेंडर आयात पर निर्भर होने के कारण अंतरराष्ट्रीय हालात, विशेषकर युद्ध जैसी परिस्थितियों का सीधा असर कीमतों पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसी स्थिति देश के भीतर होती, तो हालात और गंभीर हो सकते थे। उन्होंने महिलाओं की भूमिका को सराहते हुए कहा कि वे हर परिस्थिति में परिवार और समाज को संभालने में सक्षम हैं। विधानसभा में पारित धर्म स्वतंत्रता विधेयक पर विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए मंत्री ने कहा कि यह कानून सर्वसम्मति से पारित हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के हित में निर्णय लेती है और यह विधेयक व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से लाया गया है।

महतारी वंदन योजना को लेकर मंत्री ने बताया कि वतर्मान में करीब 70 लाख महिलाओं को इसका लाभ मिल रहा है। जिन पात्र महिलाओं के नाम छूट गए हैं, उन्हें जल्द जोड़ा जाएगा। इसके लिए पोर्टल दोबारा खोला जाएगा, हालांकि इसकी तारीख अभी तय नहीं की गई है। सम्मेलन के दौरान मंत्री ने महिला सहकारिता को बढ़ावा देने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

निर्णायक दौर पर है नक्सलवाद के खिलाफ अभियान-साय

रायपुर। नक्सली कमांडर पापा राव के सरेंडर की खबर के बीच मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का बड़ा बयान सामने आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के दृढ़ संकल्प के चलते देश में नक्सलवाद के खिलाफ अभियान तेज हुआ है और इसका असर अब साफ नजर आ रहा है। सीएम साय ने कहा कि नक्सलवाद खत्म करने की डेडलाइन (31 मार्च 2026) अब बहुत नजदीक है। ऐसे में यदि पापा राव जैसे बड़े नक्सली कमांडर सरेंडर कर रहे हैं तो यह अच्छी बात है और यह अभियान की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में पहले ही कई नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं और सुरक्षाबलों की लगातार कार्रवाई से नक्सलवाद की कमर टूट रही है।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का लेखापरीक्षा दल द्वारा किया गया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीए) के अंतर्गत विशेष लेखापरीक्षा (स्पेशल ऑडिट) का निरीक्षण 19 मार्च से 21 मार्च 2026 तक किया जा रहा है। यह निरीक्षण वर्ष 2025-26 में संचालित कार्यों एवं समवर्ती गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है।

गठित लेखापरीक्षा दल में वरिष्ठ लेखा अधिकारी संजय कुमार टीम लीडर के रूप में शामिल हैं। उनके साथ वरिष्ठ लेखाकार रणवीर कुमार सुमन एवं लोक लेखा अधिकारी मधुसूदन साने भी दल का हिस्सा हैं। टीम द्वारा योजना के क्रियान्वयन, वित्तीय प्रबंधन तथा निधि प्रवाह से संबंधित अभिलेखों का गहन परीक्षण एवं सत्यापन किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान कार्यों से संबंधित फाइलें, रजिस्टर, वाउचर एवं अन्य दस्तावेजों का सूक्ष्म परीक्षण कर योजना के क्रियान्वयन की स्थिति का आकलन किया गया। सामान्य वित्तीय नियम (जीएफआर) 2017 नियम 39 के तहत अधीनस्थ प्राधिकरणों को लेखापरीक्षा दल को सभी आवश्यक अभिलेख, रिपोर्ट एवं भुगतान विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों को भी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। निरीक्षण के क्रम में जनपद पंचायत धमधा अंतर्गत ग्राम पंचायत नवागांव में निजी डबरी निर्माण, वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण से जुड़े कार्यों का स्थल निरीक्षण भी किया गया। इस दौरान कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लिया गया।

भिलाई में गूंजा भक्ति का महाकुंभ : श्रीराम और खाटू श्याम की भव्य संध्या में उमड़ा जनसैलाब

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

एक शाम श्रीराम खाटू श्याम जी के नाम के आयोजन का कार्यक्रम भिलाई सेक्टर-7 में आयोजित किया गया । कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण कलाकार अदा शर्मा द केरला स्टोरी फेम,संगीत कार प्रमोद त्रिपाठी और सारे गा मा पा फेम झ शरद शर्मा और सनातनी वक्ता मीनाक्षी शेरावत ने अपनी प्रस्तुति दी ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, सुश्री सरोज पांडे, भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, सांसद श्रीमती रजनी बघेल, विधायक रिकेश सेन, दिव्या भसीन, प्रमोद सिंह, उप नेता प्रतिपक्ष भोज राज सिन्हा, एडिशनल एसपी सुखानंद राठौड़, सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी, इंदर जीत सिंह छोटू सहित हजारो संख्या में लोग उपस्थित थे। भव्य आतिशबाजी के साथ नव वर्ष का शुभारंभ किया गया। साथ ही लोगो ने प्रसाद भी ग्रहण किया, कार्यक्रम में मुख्य रूप से ऑपरेशन सिंदूर की रंगोली विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

उल्लास योजना के अंतर्गत आयोजित साक्षरता आकलन परीक्षा ने जनभागीदारी का एक नया कीर्तिमान स्थापित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

उल्लास साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आंकलन परीक्षा का आयोजन 22 मार्च को किया गया। जिसमें 18 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग के असाक्षर जिन्हें स्वयंसेवी शिक्षकों के माध्यम से 200 घण्टे का अध्यापन कराकर साक्षर किया और उन्हें सम्मिलित किया गया। तीनों विकासखण्डों में परीक्षा हेतु कुल 316 केन्द्र बनायें गये। परीक्षा का समय शिक्षार्थियों की सुविधा अनुसार प्रातः 10 बजे से 5 बजे तक निर्धारित किया जिसमें प्रत्येक शिक्षार्थी के लिये 03 घण्टें का समय आबंटित था ।

परीक्षा के दौरान पूरे केन्द्रों में उल्लासमय वातावरण था। जहाँ शिक्षार्थी परीक्षा देने के लिये बहुत उत्साहित दिखे। हर केन्द्र में परीक्षार्थियों का स्वागत तिलक लगाकर, कहीं फूल-माला पहनाकर तो कही बैण्ड बाजे के साथ स्वागत किया गया। परीक्षा केन्द्रों में 18 से लेकर लगभग 80-85 साल के बुजुर्ग भी बड़ी गम्भीरता से प्रशन पत्र हल करते पाये गये । कुछ केन्द्रों में पति-पत्नि, सास-बहु, एक साथ बैठकर परीक्षा देते हुये तो कही माँ बच्चे को गोद में बैठाकर परीक्षा देते हुये दिखाई दिये। परीक्षा के पूर्व घर-घर सम्पर्क कर शिक्षार्थियों को परीक्षा हेतु कही पीला चांवल देकर, कही विद्यार्थियों के द्वारा आमंत्रण कार्ड बनाकर कही तिलक लगाकर परीक्षा तिथि को परीक्षा केन्द्र में उपस्थित होने हेतु आमंत्रित किया गया ।

परीक्षा के सुचारू संचालक के लिये जिला, विकासखण्ड एवं संकुल स्तर पर मॉनिटरिंग दल का गठन किया गया। सभी स्तर के अधिकारियों के द्वारा केन्द्रों का सघन मॉनिटरिंग किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार मिश्रा के द्वारा विकासखण्ड धमधा, डॉ. पुष्पा पुरूषोतम जिला नोडल अधिकारी के द्वारा विकास पाटन एवं विनोद सिन्हा जिला मिशन समन्वयक द्वारा विकासखण्ड दुर्ग के विभिन्न केन्द्रों का अवलोकन किया गया। इनके अलावा उल्लास साक्षरता कार्यक्रम के जिले के ब्रांड एम्बेसडर डॉ. विश्वनाथ पाणिग्रही द्वारा भी विभिन्न केन्द्रों का अवलोकन किया गया । यह परीक्षा एनआईओएस द्वारा आयोजित है। इसमें उत्तीर्ण होने वाले शिक्षार्थियों को साक्षर होने का प्रमाण पत्र एनआईओएस, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग (National Institute of Open Schooling) द्वारा दिया जाता है। प्रश्न पत्र में तीन खंड होते हैं जिसमें पढ़ना, लिखना और गणितीय कौशल से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं।

शीतला मंदिर में नवनिर्मित मुख्य प्रवेश द्वार का लोकार्पण

दुर्ग। सिविल लाईन कसारीडीह स्थित प्रसिद्ध सतरुपा शीतला मंदिर में चैत्र नवरात्र का पर्व पूरे आस्था व श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। सोमवार को पंचमी पर मां सतरुपा शीतला के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की मंदिर में बड़ी संख्या में भीड़ जुटी। पंचमी के शुभ अवसर पर मंदिर परिसर में नवनिर्मित मुख्य प्रवेश द्वार का लोकार्पण एवं ज्योति कक्ष निर्माण कार्य का भूमिपूजन महापौर अलका बाघमार, समाजसेवी मनोज राजपूत, सुरेन्द्र शर्मा, एमआईसी सदस्य देवनारायण चंद्राकर के आतिथ्य में किया गया। लोकार्पण एवं भूमिपूजन समारोह में सतरुपा शीतला सेवा समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू, उपाध्यक्ष शिवसागर सिन्हा, सचिव प्रदीप देशमुख, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र धर्माकर, सह-सचिव चंपा साहू, कायर्कारिणी सदस्य तामेश्वर यादव, पुष्पा श्रीवास, संरक्षक भीखम साहू, कृष्णा देशमुख, गणेश निर्मलकर, राजा सिंह राजपूत, राजेश साहू, दीनानाथ निर्मलकर, धनेश सिंह राजपूत, भाजपा नेता विनोद चंद्राकर, पूर्व पार्षद कांता साहू, श्रीधर भजने, निशा ठाकुर, गणेश राम चौधरी, तोरण साहू, अरुण साहू के अलावा सतरुपा शीतला सेवा समिति के अन्य सदस्य व श्रद्धालु बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

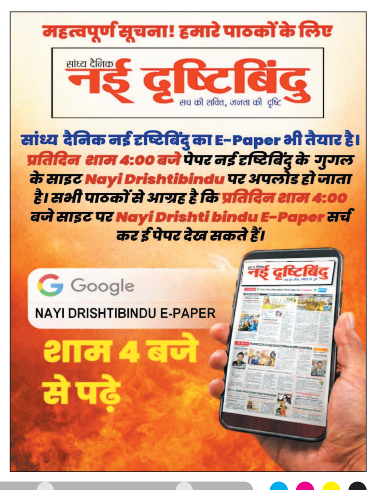

उल्लास साक्षरता आकलन परीक्षा : 40 हजार से अधिक प्रतिभागियों की ऐतिहासिक भागीदारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जिले में उल्लास योजना के अंतर्गत आयोजित साक्षरता आकलन परीक्षा ने जनभागीदारी का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। जिले के चारों विकासखंड सहित केंद्रीय जेल बिलासपुर में कुल 961 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में 40,777 से अधिक असाक्षर प्रशिक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें 10,943 पुरुष एवं 29,822 महिलाएं शामिल रहीं। महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता रही, जिसे राज्य स्तर पर एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

जिले के सभी केंद्रों में परीक्षा का आयोजन पूर्णतः शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। उल्लास केंद्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को स्थानीय भाषा में पढ़ना-लिखना, आधारभूत गणित, डिजिटल साक्षरता एवं जीवनोपयोगी ज्ञान प्रदान किया गया, जिससे वे आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त कदम बढ़ा सकें। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि उल्लास योजना के माध्यम से बिलासपुर को पूर्ण साक्षर जिला बनाने की दिशा में तेजी से प्रगति हो रही है। 40 हजार से अधिक लोगों की सक्रिय भागीदारी समाज में जागरूकता और परिवर्तन का प्रतीक है।

इस अभियान के तहत केंद्रीय जेल बिलासपुर में 100 पुरुष एवं 33 महिला बंदियों ने परीक्षा में सहभागिता कर साक्षरता की ओर कदम बढ़ाया। ग्रामीण क्षेत्रों, विशेषकर कोटा विकासखंड के आदिवासी अंचलों से बड़ी संख्या में सहभागिता दर्ज की गई। परीक्षा केंद्रों में सास-बहू, ननद-भौजाई, तीन पीढ़ियों के सदस्य, बुजुर्ग दंपति, नवविवाहित जोड़े, दिव्यांगजन एवं छोटे बच्चों के साथ परीक्षा देने आई माताएं विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं, जिसने इस अभियान को एक सामाजिक उत्सव का स्वरूप प्रदान किया। जिला शिक्षा अधिकारी के अनुसार, उल्लास योजना के प्रभाव से जिले की साक्षरता दर में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसकी राज्य सरकार द्वारा सराहना की गई है। यह पहल छत्तीसगढ़ को पूर्ण साक्षर राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो रही है। परीक्षा के सफल संचालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा सभी केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। केंद्राध्यक्षों एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति के साथ ही ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर समन्वय समितियां सक्रिय रहीं। संयुक्त संचालक शिक्षा द्वारा विशेष ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए तथा जिला स्तर पर निरीक्षण दल गठित कर सतत मॉनिटरिंग की गई।

इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायतों के सचिव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, जनप्रतिनिधि, आजीविका मिशन की दीदियां एवं जागरूक नागरिकों के सहयोग से अधिक से अधिक प्रशिक्षार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

खास खबर

महिला सम्मान और परिचय सम्मेलन में झलकी कुर्मी समाज की एकता और संस्कार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सर्व कुर्मी समाज द्वारा लखिराम अग्रवाल ऑडिटोरियम, बिलासपुर में महिला सम्मान एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन का भव्य, गरिमामयी और प्रेरणादायी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की बड़ी संख्या में माताओं-बहनों, वरिष्ठजनों एवं युवाओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने आयोजन को विशेष महत्व प्रदान किया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुईं। अपने प्रेरक उद्बोधन में उन्होंने समाज की एकजुटता और समन्वय पर बल देते हुए कहा कि एकजुटता, समन्वय और सकारात्मक सोच ही किसी भी समाज को नई दिशा देने की सबसे बड़ी शक्ति होती है।

श्रीमती नायक ने नारी सम्मान को समाज की प्रगति का आधार बताते हुए कहा कि जिस समाज में महिलाओं को सम्मान और समान अवसर मिलता है, वही समाज निरंतर प्रगति करता है। उन्होंने कुर्मी समाज की मेहनत, ईमानदारी और सशक्त संस्कारों की सराहना करते हुए इसे प्रदेश में विशिष्ट पहचान वाला समाज बताया। उन्होंने युवक-युवती परिचय सम्मेलन को सामाजिक समरसता और पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करने की महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को सही दिशा देने के साथ समाज में आपसी विश्वास और जुड़ाव को मजबूत करते हैं। साथ ही युवाओं से शिक्षा, संस्कार और अनुशासन को जीवन का मूल आधार बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान समाज की उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी महिलाओं का सम्मान किया गया। युवक-युवती परिचय सम्मेलन में बड़ी संख्या में परिवारों की सहभागिता ने सामाजिक एकता और समावेश की भावना को और सुदृढ़ किया। पूरे आयोजन का वातावरण उत्साह, सम्मान और सामाजिक समरसता से ओत-प्रोत रहा। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए समाज के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।

गंगरेल नौकायान उत्सव : जल, खेल और संस्कृति का संगम, महानदी रिवर बोट स्पर्धा का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

धमतरी जिले में पहली बार गंगरेल बांध की शांत एवं मनमोहक जलधारा पर गंगरेल नौकायान उत्सव के अंतर्गत भव्य महानदी रिवर बोट चैंपियनशिप का सफल आयोजन किया गया। मचान हाट प्वाइंट से गंगरेल ब्लू एडवेंचर स्पोर्ट्स प्वाइंट तक 1000 मीटर की चुनौतीपूर्ण दूरी में आयोजित इस रोमांचक प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अद्भुत गति, संतुलन और टीम वर्क का प्रदर्शन किया। आयोजन स्थल पर उत्साह, रोमांच और जनसहभागिता का अद्वितीय संगम देखने को मिला।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में धमतरी सहित आसपास के जिलों कांकेर एवं बालोद की कुल 52 टीमों ने भाग लिया, जिससे यह आयोजन क्षेत्रीय स्तर पर एक बड़े खेल महोत्सव के रूप में उभरकर सामने आया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक ओमकार साहू, महापौर रामू रोहरा एवं पूर्व विधायक श्रीमती रंजना साहू द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर अविनाश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र ठाकुर सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए—प्रथम स्थानः बोट क्रमांक 04 (रोमार निषाद तिरी एवं जीतु निषाद), द्वितीय स्थानः बोट क्रमांक 1 सत्वंत मंडावी एवं मिथलेश मंडावी,कोलियारी) व तृतीय स्थान पर बोट क्रमांक 10 (कोमल निषाद एवं महेश्वर कुरेटरी, तिर्रा) रहे। इसके अतिरिक्त—वेशभूषा पुरस्कारः बोट क्रमांक 06 (पवनबाई निषाद एवं देवनबती निषाद,तिर्रा), सजावट पुरस्कारः बोट क्रमांक 08 (रामनारायण नेताम एवं रिशीराम निषाद, सटी यारा) विजेताओं को अतिथियों द्वारा ट्रॉफी एवं नगद पुरस्कार प्रदान किए गए-प्रथम पुरस्कार 1,00,000, द्वितीय पुरस्कार 50,000 व तृतीय पुरस्कार 25,000 प्रदान किए गए। साथ ही बोट सजावट एवं वेशभूषा के लिए 11,000 के विशेष पुरस्कार भी प्रदान किए गए। जिला प्रशासन द्वारा महिला प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए 15,000, 10,000 एवं 5,000 के सांत्वना पुरस्कार की भी घोषणा की गई।

महिला सहभागिता ने बढ़ाया गौरव

इस आयोजन की सबसे उल्लेखनीय विशेषता ग्रामीण अंचलों की महिला प्रतिभागियों की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। ग्राम तिर्रा की श्रीमती चयन बाई, श्रीमती सुमन एवं श्रीमती दिनेश्वरी निधार ने पारंपरिक लकड़ी की नाव के साथ प्रतियोगिता में भाग लेकर न केवल प्रतिस्पर्धा को रोमांचक बनाया, बल्कि महिला सशक्तिकरण का प्रेरणादायक संदेश भी दिया। सीमित संसाधनों के बावजूद उनका आत्मविश्वास और साहस सभी के लिए अनुकरणीय रहा।

विधायक ओमकार साहू ने कहा कि यह आयोजन क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा एवं जल पर्यटन को नई पहचान प्रदान करेगा। महापौर रामू रोहरा ने इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण पहल बताते हुए स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ युवाओं में खेल एवं साहसिक गतिविधियों के प्रति रुचि विकसित होगी। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों द्वारा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। मत्स्य विभाग द्वारा 8 मछुआ समितियों को आइस बॉक्स वितरित किए गए, जिससे मत्स्य व्यवसाय को सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी। साथ ही जल सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वॉटर एंबुलेंस का शुभारंभ भी किया गया।

नवरात्रि पर जेलों में आध्यात्मिक माहौल, बंदियों को मिली विशेष सुविधाएं

आस्था का पर्व

धार्मिक आस्था के अनुरूप उपवास एवं पूजा-अर्चना के लिए की गई व्यवस्था

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की सभी जेलों में नवरात्रि पर्व को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर परिरुद्ध बंदियों के लिए विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, जिससे वे धार्मिक आस्था के अनुरूप उपवास एवं पूजा-अर्चना कर सकें।

प्रदेश की जेलों में कुल 2397 बंदी नवरात्रि का उपवास कर रहे हैं, जिनमें 2125 पुरुष एवं 272 महिला बंदी शामिल हैं। यह आंकड़ा न केवल आस्था की गहराई को दर्शाता है, बल्कि जेलों में सकारात्मक और आध्यात्मिक वातावरण के सृजन का भी परिचायक है। इसमें रायपुर संभाग के 1140 बंदी, दुर्ग संभाग में 243 बंदी, बिलासपुर संभाग में 407 बंदी, सरगुजा संभाग में 361 बंदी, बस्तर संभाग में 246 बंदी अपनी आस्था अनुसार उपवास का पालन कर रहे हैं।

नवरात्रि के दौरान जेल प्रशासन द्वारा बंदियों को फलाहार, स्वच्छ पेयजल, पूजा सामग्री एवं निर्धारित समय पर आरती-पूजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही, धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से बंदियों के मनोबल को सुदृढ़ करने और उनमें सकारात्मक सोच विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। यह पहल न केवल बंदियों की धार्मिक आस्था का सम्मान है, बल्कि उनके मानसिक एवं आध्यात्मिक पुनर्वास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

विगत दिनों विधानसभा में उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया था कि जेलों को अब सजा घर नहीं बल्कि सुधार एवं पुनर्वास गृह के रूप में विकसित किया जा रहा है। जिसमें उन्हें विभिन्न कलाओं को सिखाकर आत्मनिर्भर बनाने के साथ समाज से जोड़ने और बेहतर जीवन के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है।

श्रमिक सम्मेलन : 1200 श्रमिकों को मिली योजनाओं की सौगात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

श्रमिक प्रतीक्षालय, बृहस्पति बाजार, बिलासपुर में श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक अमर अग्रवाल उपस्थित रहे। अध्यक्षता महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने की।

सम्मेलन में लगभग 1200 श्रमिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत पंजीकृत श्रमिक हितग्राहियों को कुल 1 करोड़ 36 लाख 88 हजार 500 रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके खातों में अंतरित की गई। मुख्य अतिथि द्वारा मंच से हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चेक भी प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के दौरान 6 चयनित हितग्राहियों को ई-रिक्शा की चाबियां वितरित कर उन्हें स्वरोजगार की दिशा में प्रोत्साहित किया गया।

इस अवसर पर विधायक अमर अग्रवाल ने अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीयन सुनिश्चित करने, उन्हें शासन की कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से प्रदान करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कार्यक्रम समापन उपरांत सभी उपस्थित श्रमिकों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई।

किसानों के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही छत्तीसगढ़ सरकार

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने ग्राम बद्दो में किया भोरमदेव सकरी फीडर नहर विस्तारीकरण कार्य का भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

चैत्र नवरात्रि पंचमी की पावन तिथि के अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड अंतर्गत वनांचल ग्राम बद्दो में किसानों को बड़ी सौगात दी। उन्होंने 11.49 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले भोरमदेव सकरी फीडर नहर विस्तारीकरण कार्य का विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पूर्ण होने पर क्षेत्र के 6 गांवों के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।

नहर विस्तारीकरण के माध्यम से लगभग 770 हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे किसानों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ उनकी आय में भी बढ़ोतरी होगी। कार्यक्रम में पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण सदस्य भगत पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नितेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत नन्द श्रीवास, राम किंकर वर्मा, लोकचंद साहू सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि भोरमदेव सकरी फीडर नहर के विस्तार से क्षेत्र के हजारों किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। इस नहर से खेतों तक पानी आसानी से पहुंचेगा और खेती में सुधार होगा। उन्होंने बताया कि 770 हेक्टेयर जमीन को स्थायी सिंचाई की सुविधा मिलेगी, जिससे फसल अच्छी होगी और किसानों की आमदनी बढ़ेगी। इससे गांव की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सरकार का मकसद सिर्फ निर्माण करना नहीं, बल्कि ऐसे काम करना है जिससे किसानों का जीवन बेहतर हो। उन्होंने कहा कि इस बड़ी परियोजना की शुरुआत यह दर्शाती है कि वतर्मान सरकार वनांचल क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता दे रही है। सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों तक भी विकास की योजनाएं पहुंचे और वहां के लोगों को इसका पूरा लाभ मिल सके।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि भोरमदेव सकरी फीडर नहर के विस्तारीकरण कार्य को सफल बनाने के लिए जन सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इस तरह की बड़ी परियोजनाएं तभी समय पर और बेहतर तरीके से पूरी हो पाती हैं, जब स्थानीय लोगों, विशेषकर किसानों का पूरा सहयोग मिलता है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि यह नहर उनके ही हित में बनाई जा रही है। सभी गांवों के किसानों की सहभागिता और सहयोग से ही इस परियोजना को तेजी से पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि जब जनभागीदारी के साथ विकास कार्य होते हैं, तो उनका लाभ भी लंबे समय तक और प्रभावी रूप से मिलता है। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण समय सीमा में निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जिले में चल रहे विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी भी साझा की।

मुख्यमंत्री साय ने जुनवानी नमर्दा धाम में की पंच कुंडीय श्री रुद्र महायज्ञ की परिक्रमा

व्यासपीठ की पूजा-अर्चना कर लिया आशीर्वाद, प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

चैत्र नवरात्रि की पावन चतुर्थी तिथि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कबीरधाम जिले के ग्राम जुनवानी नमर्दा धाम में आयोजित पंच कुंडीय श्री रुद्र महायज्ञ एवं श्री शिव महापुराण कथा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ विधि-विधान से यज्ञ की परिक्रमा की तथा व्यासपीठ की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री साय ने इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान प्रदेशवासियों की सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए ईश्वर से प्राथर्ना की। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं का आत्मीय अभिवादन किया और सभी को चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जिला साहू संघ द्वारा आयोजित पंच कुंडीय श्रीरुद्र महायज्ञ एवं श्री शिव महापुराण कथा में शामिल होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि आज इस पावन यज्ञ में शामिल होने का अवसर मिलना उनके लिए बड़े सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि साहू समाज एक विशाल, शिक्षित और समृद्ध समाज है, जो सदैव समाज को दिशा देने का कार्य करता रहा है। उन्होंने दानवीर भामाशाह का उल्लेख करते हुए कहा कि वे इसी समाज से थे, जिन्होंने अपने त्याग और दान से इतिहास में अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने आगे कहा कि रायगढ़ में पूज्य सत्यनारायण बाबा भी इसी समाज से हैं, जो पिछले 28 वर्षों से खुले आसमान के नीचे तपस्या में लीन हैं। ऐसे महान संत समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कोई समाज संगठित होकर कार्य करता है, तो उसका लाभ केवल उस समाज तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उससे पूरे राष्ट्र का विकास होता है। उन्होंने कहा कि साहू समाज इसी तरह संगठित और सशक्त होकर निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यहां आयोजित रुद्र महाशिव यज्ञ एवं कथा से छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को विशेष आशीर्वाद प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ संत-महात्माओं की तपोभूमि रही है। यह माता कौशल्या का मायका और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है। भगवान श्रीराम ने अपने वनवास का अधिकांश समय इसी धरती पर बिताया है, वहीं माता शबरी का पावन स्थान भी छत्तीसगढ़ में स्थित है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि व्यासपीठ पर विराजमान संत-महात्माओं की कृपा से प्रदेश में सवा लाख शिवलिंग स्थापना का पावन कार्य भी किया जा रहा है, जो आध्यात्मिक चेतना को और सशक्त करेगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा रामलला दर्शन योजना संचालित की जा रही है। छत्तीसगढ़ के लोग भगवान श्रीराम को अपना भांचा मानते हैं, इसलिए उन्हें अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन कराने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई है। अब तक 40 हजार से अधिक रामभक्त अयोध्या जाकर दर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत प्रदेश के बुजुर्गों को देशभर के प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा कराई जा रही है, ताकि वे अपने जीवन में धार्मिक आस्था के इन पवित्र स्थलों का दर्शन कर सकें।

श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में सरकार ने कई महत्वपूर्ण विधेयक प्रस्तुत किए हैं। इनमें छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक प्रमुख है, जिसे समाज में बढ़ती संवेदनशील परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए लाया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पिछले कुछ समय से समाज के कमजोर वर्गों को निशाना बनाकर प्रलोभन, दबाव और भ्रम फैलाकर धर्मांतरण कराने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे सामाजिक ताने-बाने पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस गंभीर विषय को ध्यान में रखते हुए सरकार ने सख्त और स्पष्ट प्रावधानों के साथ यह विधेयक लागू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि इस कानून के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी प्रकार के छल, प्रलोभन या दबाव के जरिए धर्म परिवर्तन न हो सके। साथ ही विवाह के माध्यम से धर्मांतरण की आड़ में हो रहे दुरुपयोग पर भी अब पूर्ण विराम लगेगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि धर्म की रक्षा और समाज की सुरक्षा ही सरकार का संकल्प है, और इसी उद्देश्य के साथ यह विधेयक लाया गया है, ताकि प्रदेश में सामाजिक सद्भाव और शांति बनी रहे।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जुनवानी स्थित नमर्दा धाम के नमर्दा कुंड में स्नान करना, पूजा-अर्चना करना और ऐसे धार्मिक आयोजनों में शामिल होना क्षेत्रवासियों के लिए हमेशा से आस्था और प्रतीक्षा का विषय रहा है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र स्थल से लोगों की गहरी भावनात्मक और धार्मिक आस्था जुड़ी हुई है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को सशक्त करते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मकता, एकता और सद्भाव का संदेश भी देते हैं।

पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने अपने संबोधन में कहा कि जब भी श्रीमद्भागवत, शिव महापुराण कथा एवं यज्ञ जैसे आयोजन होते हैं, तो सभी को इसमें अवश्य शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अक्सर घर के बुजुर्ग ही कथा सुनने आते हैं, लेकिन बच्चों और युवाओं की सहभागिता भी उतनी ही जरूरी है, ताकि आने वाली पीढ़ी हमारी सनातन संस्कृति और परंपराओं से परिचित हो सके और उसे आगे बढ़ा सके।

इस अवसर पर पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, पूर्व विधायक डॉ. सियाराम साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी पंच कुंडीय श्री रुद्र महायज्ञ की परिक्रमा कर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया।

संपादकीय

आरोप लगाने का मौका तो मिला है तो लगाएगी ही

कोई भी विपक्ष में हो वह तो सरकार पर आरोप लगाने का मौका ढूंढता रहता है जैसे ही उसे मौका मिलता है वह आरोप लगाता है और सरकार को सवालों के घेरे में खडा करने का प्रयास करता है। बजट सत्र के दौरान ही दुर्ग, उसके बाद बलरामपुर में अफीम की खेती का मामला सामने आने के बाद विपक्ष को सरकार पर आरोप लगाने का मौका मिला है कि राज्य में अफीम की खेती पहले नहीं होती थी, इसे सच भी माना जा सकता है क्योंकि छत्तीसगढ़ राज्य बने दो दशक से ज्यादा का समय हो गया है लेकिन अभी जिस तरह अफीम की खेती का खुलासा एक के बाद एक जिले में हुआ है ऐसा पहले तो नहीं हुआ है।

एक के बाद एक कई जगह अफीम की खेती का खुलासा होने से यह तो पक्का हो गया है कि राज्य में अफीम की खेती हो रही है और अफीम की खेती करने वाले ज्यादातर लोग बाहरी राज्यों के हैं ऐसे राज्यों के हैं जहां वैध या अवैध रूप से अफीम की खेती हो रही है। अफीम की खेती तो वही लोग कर सकते हैं जिनको पता हो कि अफीम की खेती कैसे होती है। अफीम की खेती मप्र,राजस्थान व झारखंड में होती है, इसलिए वही के लोग छत्तीसगढ़ के सीमा के पास इलाकों मे किसानों से सब्जी,मक्का या अन्य कोई फसल लेने के नाम जमीन यहां के किसानों से लेते हैं और करते अफीम की खेती है। यहां के लोगों को अफीम की पौधों के बारे में जानकारी न होने से वह जान पाए कि अफीम की खेती कैसी होती है। वह यही समझते रहे कि खेती के लिए जमीन ली है तो खेती कर रहा होगा।

अफीम की खेती बगैर संरक्षण के नही हो सकती है यह सच है। अभी यह पता नहीं चला है कि अफीम की खेती राज्य में कब से हो रही है लेकिन इसकी खुलासा साय सरकार के समय हुआ है इसलिए कांग्रेस को आरोप लगाने का मौका मिला है राज्य में संरक्षण में अफीम की खेती हो रही है। इसमें भाजपा नेता का नाम सामने से कांग्रेस को खुलकर बोलने का मौका मिला है। अफीम की खेती कोई सरकार को कराती नहीं इसलिए यह तो माना नहीं जा सकता कि इसके लिए सरकार दोषी है। सरकार पर यह आरोप जरूर लगाया जा सकता है कि कई स्तरों पर खेती की जानकारी जुटाई जाती है इसके बाद भी सरकार को अफीम की खेती की जानकारी कैसे नहीं मिली। यहां साफ है कि इसके लिए वह अधिकारी व कमर्चारी दोषी हैं जिनको फील्ड पर यह जानकारी जुटानी रहती है कि किस क्षेत्र में कौन सी फसल ली जा रही है।

लापरवाही अधिकारियों व कर्मचारियों ने की है और राज्य में अफीम की खेती की शुरआत हो गई। इसका खुलासा होने पर विपक्ष को आरोप लगाने का मौका मिला है कि यह भाजपा का नया स्टार्टअप है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा है कि राज्य में जिस तरह से अफीम की खेती का खुलासा हो रहा है, वह आश्चर्यजनक है। क्योंकि राज्य में कोई जानता नहीं था कि अफीम की खेती क्या होती और आज एक नही कई जगह अफीम की खेती का खुलासा हो रहा है। एक एकड़ में डेढ़ करोड़ की कमाई हो रही है ।यह भाजपा का नया स्टार्टअप है। वही कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज सकार से सवाल पूछ रहे हैं कि मंत्रियों के गृहजिले में अफीम की खेती संयोग है या कृषि क्षेत्र में नया प्रयोग है। अफीम की खेती का खुलासा जनता कर रही है तो पुलिस व राज्स्व अमला क्या कर रहा है। गिरदावरी के दौरान इसका पता कैसे नहीं चला,वहां दूसरी फसल का जिक्र कैसे हुआ।

कांग्रेस अफीम की खेती के मुद्दे को बडा.मुद्दा बनाने का प्रयास कर रही है,वह इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कहीं इससे कोई भाजपा नेता तो जुडा हुआ नहीं है ।अभी तक दुर्ग के अलावा कहीं से भी भाजपा नेता का नाम नहीं आया है। फिर भी कांग्रेस को मौका मिला है तो वह सरकार की छवि जनता के बीच धूमिल करने का प्रयास करेगी क्योंकि इससे उसको राजनीतिक रूप से फायदा होगा। अब तक साय सरकार ने घोटालों में कडी कार्रवाई कर अपनी छबि भ्रष्टाचार विरोधी सरकार की बनाई है। कई तरह के सुधार करके भ्रष्टाचार रोकने का प्रयास किया है। इससे उसकी छबि शराब घोटाले वाली पिछली सरकार से तो बेहतर मानी जाती है। अफीम के मामले को उछालकर कांग्रेस जनता को यह बताना चाहती है कि साय सरकार हमारी सरकार से अलग नहीं है। गलत काम तो उसके समय में भी हुए है और हो रहे हैं।

प्रकृति की गोद में रोमांच- मोहरेंगा नेचर सफारी जिप्सी सफारी और कॉटेज की सुविधा हुई शुरू

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर

प्रकृति के करीब, पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना और स्थानीय संस्कृति व वन्यजीवों का सम्मान करते हुए की जाने वाली यात्रा है। इसका मुख्य उद्देश्य वन एवं वन्यजीव का संरक्षण, शिक्षा और स्थानीय समुदायों को लाभ पहुँचाना ही ईको-पर्यटन है। रायपुर जिले के खरोरा के पास ग्राम मोहरेंगा में नेचर सफारी मोहरेंगा में नई ईको-पर्यटन सुविधाओं का शुभारंभ किया गया। विधायक किरण सिंहदेव, अनुज शर्मा और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य शासन और वन विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान हमारे घने जंगलों और जैव विविधता से है। हमारा लक्ष्य केवल पर्यटन का विकास करना नहीं है, बल्कि प्रकृति और मनुष्य के बीच एक संतुलन बनाना है। ये नवनिर्मित संरचनाएं पर्यटकों को प्रकृति के और करीब लाएंगी, जिससे पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ेगी। साथ ही, ईको-पर्यटन के माध्यम से हम स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित कर रहे हैं।

यह सफारी रायपुर से लगभग 45 किलोमीटर दूर तिल्दा-खरोरा मार्ग पर स्थित है और करीब 500 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई है। मोहरेंगा नेचर सफारी के माध्यम से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि क्षेत्र के स्थानीय युवा और बच्चों को प्रकृति के महत्व से जोड़ सकेंगे। यहां पर्यटक 10 किलोमीटर लंबी जिप्सी सफारी का आनंद ले सकते हैं। सफारी के दौरान चीतल, जंगली सूअर, खरगोश, अजगर जैसे वन्यजीवों और नीलकंठ, कोयल, ईगल जैसे पक्षियों को देखा जा सकता है।

पर्यटकों के लिए वॉच टॉवर, किड्स प्ले एरिया और सुंदर गार्डन की सुविधा भी विकसित की गई है। रात्रि विश्राम के लिए यहां चार सुसज्जित कॉटेज बनाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यहां के रेस्टोरेंट का संचालन जय माँ अंबे महिला स्व-सहायता समूह द्वारा किया जा रहा है। इससे स्थानीय महिलाओं को रोजगार मिल रहा है। मोहरेंगा नेचर सफारी पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय रोजगार और पर्यटन विकास का एक अच्छा उदाहरण है, जो भविष्य में रायपुर के पास एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा।

सफारी क्षेत्र में वन्यजीवों के लिए 8 तालाब, एनीकट और घास के मैदान विकसित किए गए हैं, जहां सौर ऊर्जा आधारित पंपों से पानी की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के लिए लगभग 16 किलोमीटर लंबी चौनलिंक फेंसिंग भी की गई है। यह क्षेत्र साजा, खैर, महुआ, अर्जुन जैसे उपयोगी वृक्षों और सफेद मुसली, सतावर जैसी औषधीय वनस्पतियों से समृद्ध है। साथ ही यहां स्थित दोहरा तिहरा माता मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र है।

सू- दोकू क्र.350

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 349 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	[illegible]	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

उन्नत खेती से शीला राजवाड़े बनीं लखपति दीदी, बिहान से जुड़कर संवर रही ग्रामीण महिलाओं की आजिविका

नई दृष्टिबिंदु / सरगुजा

महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से स्वतंत्र, आत्मनिर्भर और निर्णय लेने में सक्षम बनाना है, ताकि वे पुरुष के बराबर अधिकार और सम्मान प्राप्त कर सकें। यह शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के माध्यम से आत्मविश्वास बढ़ाकर लैंगिक असमानता को खत्म करने की एक प्रक्रिया है। प्रदेश सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से संचालित छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) ग्रामीण अंचलों में महिलाओं के जीवन में नई रोशनी ला रही है। सरगुजा जिले में इस योजना के माध्यम से हजारों महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो रही हैं, बल्कि समाज में अपनी एक नई पहचान भी बना रही हैं।

संघर्ष से सफलता तक का सफर

अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत आमदरहा की श्रीमती शीला राजवाड़े की सफलता की कहानी अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। वरदान महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्य श्रीमती शीला राजवाड़े बताती हैं कि समूह से जुड़ने से पहले उनका जीवन काफी संघर्षपूर्ण था। पति के पास नियमित रोजगार न होने के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति दयनीय थी और छोटी-छोटी जरूरतों के लिए उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था।

ऋण से शुरू की उन्नत खेती

शीला ने बताया कि वर्ष 2023 में बिहान योजना से जुड़ने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया। उन्हें समूह के माध्यम से 60 हजार रुपये का प्रारंभिक ऋण प्राप्त हुआ, जिसे उन्होंने उन्नत सब्जी उत्पादन में निवेश किया। आज वह बड़े पैमाने पर लौकी, करेला और बैंगन जैसी सब्जियों की मिश्रित खेती कर रही हैं। इससे उन्हें न केवल नियमित आय प्राप्त हो रही है, बल्कि वे अपने घर का खर्च भी स्वयं वहन कर रही हैं।

जिम्मेदारी और नेतृत्व

महिलाओं को अपने जीवन के हर निर्णय में बराबरी का अधिकार और आत्मविश्वास देना है। जब एक महिला अपने पैरों पर खड़ी होती है, आर्थिक रूप से स्वतंत्र होती है और अपनी आवाज बेझिझक उठा पाती है, तो उसका प्रभाव सिर्फ उसके जीवन तक सीमित नहीं रहता। वह पूरे परिवार, समाज और देश को मजबूत बनाती है। अपनी कार्यकुशलता और समर्पण के कारण शीला को समूह में वीओए के पद की जिम्मेदारी भी मिली है। वे अब गाँव की अन्य महिलाओं को भी सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और समूह से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

योजनाओं के लिए जताया आभार

अपनी सफलता का श्रेय प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्याणकारी योजनाओं को देते हुए शीला ने कहा कि बिहान योजना ने महिलाओं को चौखट से बाहर निकलकर उद्यमी बनने का अवसर दिया है। उन्होंने जिले की अन्य दीदियों से भी अपील की है कि वे समूहों से जुड़कर आत्मनिर्भर बनें और परिवार की प्रगति में सहभागी बनें।

मछली पालन से बदली किसान जनक की तकदीर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में किसानों को परंपरागत खेती से आगे बढ़ाकर वैकल्पिक एवं लाभकारी आजीविका अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड अंतर्गत ग्राम भीतघरा के किसान जनक यादव ने मछली पालन अपनाकर सफलता की नई मिसाल प्रस्तुत की है।

किसान जनक यादव ने परंपरागत धान की खेती के स्थान पर प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का लाभ लेकर अपने खेत में दो तालाबों का निर्माण कराया। इसके लिए उन्हें शासन से 4 लाख 20 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। साथ ही मत्स्य पालन विभाग द्वारा मत्स्य बीज, जाल एवं आइस बॉक्स जैसी आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। उन्होंने आधुनिक पॉन्ड लाइनर तकनीक को अपनाकर मछली पालन शुरू किया, जिससे उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। किसान का कहना है कि धान की खेती की तुलना में मछली पालन में अधिक लाभ प्राप्त हो रहा है, क्योंकि इसमें वर्षभर उत्पादन संभव है, जबकि धान में केवल एक फसल ही ली जा सकती है। जनक यादव पिछले तीन-चार वर्षों से मछली पालन कर रहे हैं और इससे उन्हें निरंतर आय प्राप्त हो रही है। इसके साथ ही उन्होंने इस कार्य में अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराया है, जिससे ग्रामीण स्तर पर आजीविका के नए अवसर सृजित हुए हैं।

जशपुर में लखपति दीदी अभियान को मिली नई रफ्तार

18 हजार से अधिक महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर, गांवों की अर्थव्यवस्था को दे रहीं मजबूती

नई दृष्टिबिंदु / जशपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है। इसी कड़ी में जशपुर जिले में लखपति दीदी अभियान ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, जहां 18 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बनकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध जशपुर की महिलाएं अब खेती, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प और लघु उद्यमों के माध्यम से न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे गांव की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं। गांव-गांव में सक्रिय कृषि सखियां और पशु सखियां किसानों तक आधुनिक तकनीक और उन्नत कृषि पद्धतियों की जानकारी पहुंचाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ कर रही हैं। जिले में वतर्मान में 12 हजार 808 स्व-सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनसे 1 लाख 37 हजार 912 महिलाएं जुड़ी हुई हैं। सामूहिक प्रयासों से ये महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं।

राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2024 से 2027 तक जशपुर जिले में 30 हजार 877 लखपति दीदी तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें से अब तक 18 हजार 218 महिलाएं लखपति बन चुकी हैं, जबकि शेष महिलाओं को भी आगामी वर्षों में इस श्रेणी में लाने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

महिलाओं को आजीविका से जोड़ने के लिए बिहान योजना के माध्यम से व्यापक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इसके तहत लगभग 14 करोड़ रुपये मुद्रा लोन, 76 करोड़ रुपये बैंक लिंकेज और 13 करोड़ रुपये सामुदायिक निवेश निधि के रूप में सहायता दी गई है। साथ ही लगभग 70 हजार महिलाओं को कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और उद्यानिकी गतिविधियों से जोड़ने की पहल की जा रही है। इसके अतिरिक्त करीब 8500 संभावित लखपति दीदियों को विभिन्न आजीविका गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया है और उनकी आय में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए निगरानी भी की जा रही है। महिलाएं डेयरी, बकरी पालन, पोल्ट्री और फूड प्रोसेसिंग जैसे व्यवसायों के माध्यम से अपनी आय बढ़ा रही हैं।

उल्लेखनीय है कि महिलाओं को नई तकनीकों और नवाचारों से जोड़ने के उद्देश्य से 23 से 25 मार्च 2026 तक कृषि महाविद्यालय, कुनकुरी में कृषि क्रांति एक्सपो 2.0 का आयोजन किया जा रहा है, जो महिलाओं के लिए नए अवसरों का द्वार खोल रहा है। जशपुर की यह पहल दर्शाती है कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो परिवार, गांव और पूरे राज्य की प्रगति सुनिश्चित होती है।

केला उत्पादन से बढ़ी किसान हेतराम की आमदनी, उद्यानिकी खेती से मिला सहारा

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

खेती में कम लागत में अधिक मुनाफा कमाने की सोचते हैं तो केले की खेती करना भी बेस्ट ऑप्शन हो सकता है, लेकिन इसके लिए सही विधि से केले की खेती करना आना चाहिए। अगर आप प्राकृतिक विधि से खेती करते हैं, तो इसकी लागत भी कम आती है और मुनाफा भी अच्छा होता है। कहते हैं खेती में नई तकनीक और सही फैसले किसान की तकदीर बदल देते हैं, और इसे सच कर दिखाया है बिलासपुर जिले के तखतपुर विकासखण्ड के ग्राम कपसिया कला के किसान हेतराम मनहर ने पारंपरिक धान की खेती छोड़कर केला उत्पादन अपनाने वाले मनहर आज लाखों रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं।

उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के अंतर्गत केला (जी-9 किस्म) की खेती शुरू की। विभाग से प्राप्त तकनीकी सहयोग, उन्नत पौध सामग्री एवं वैज्ञानिक पद्धतियों के उपयोग से उन्होंने लगभग 0.900 हेक्टेयर क्षेत्र में केला फसल का रोपण किया। उचित देखभाल और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से उन्हें लगभग 510 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ। इस फसल में करीब 1.70 लाख रुपये की लागत आई, जबकि 4 से 5 लाख रुपये तक की आय अर्जित हुई, जो पारंपरिक खेती की तुलना में कई गुना अधिक है।

हेतराम मनहर ने कहा कि प्राकृतिक खेती लागत कम करने के साथ-साथ फसल उत्पादन बढ़ाने में भी सक्षम है। केले की खेती लगभग पूरे भारतवर्ष में की जाती है। गर्म और सम जलवायु केला की खेती के लिए उत्तम होती है। प्राकृतिक खेती से न केवल खेती की लागत कम होती है, बल्कि यह मिट्टी की उर्वरता और फसल की गुणवत्ता भी बढ़ाती है। केला उत्पादन से हुई अतिरिक्त आय ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है। अब वे परिवार की जरूरतों के साथ बच्चों की शिक्षा और अन्य आवश्यकताओं पर भी बेहतर ध्यान दे पा रहे हैं। हेतराम मनहर की यह सफलता क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बन रही है और यह दर्शाती है कि फसल परिवर्तन एवं आधुनिक खेती अपनाकर बेहतर आय अर्जित की जा सकती है।

उड़िया समाज के होली मिलन और महिला सम्मान में दिखी एकजुटता

समारोह में शामिल हुए महापौर, सभापति समेत भाजपा नेता, अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को किया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अखिल भारतीय उड़िया समाज का होली मिलन एवं महिला सम्मान समारोह रविवार को भिलाई-3 में स्थित सोमनी के निधि रिसॉर्ट में संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि भिलाई-चरोदा निगम महापौर निर्मल कोसरे ने शिक्षा के साथ आपसी एकजुटता से समाज को प्रगति के रास्ते पर ले जाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान अलग-अलग क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट कार्यों से लोगों को प्रेरणा देने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया।

अध्यक्षता भिलाई-चरोदा निगम सभापति कृष्णा चंद्राकर ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्षद तुषांत वर्मा, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गोपाल मेहता, भाजपा चरोदा मंडल अध्यक्ष ए गौरी शंकर, भाजपा नेता भोला साहू मौजूद थे। समाज के अध्यक्ष जेएम तांडी, महासचिव तरुण निहाल, कोषाध्यक्ष दीनबंधु तांडी, संरक्षक कृष्णा सोना, संजय सोनवानी, पुरन नायक, मंटू हरपाल, मनोज दुर्गा ने अतिथियों का स्वागत कर फूलों की होली खेली गई।

समारोह के दौरान उत्कृष्ट कार्यों से समाज में अलख जगाने वाली महिलाएं सीमा जंघेल, पिंकी साहू, जयंती महानंद, रिद्धी महानंद, अंजली तांडी, वर्षा चौहान, सुभद्रा विभार, अनु विभार, रूपा सोना, जयंती महानंद, कस्तूरी राज और उत्कल मैरिज ब्यूरो की टीम को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष जेएम तांडी ने अतिथियों को सामाजिक गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं से अवगत कराते हुए सहयोग व समर्थन की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम का संचालन महासचिव तरुण निहाल ने किया। कोषाध्यक्ष दीनबंधु तांडी, संरक्षक कृष्णा सोना, संजय सोनवानी, मोंटू हरपाल, मनोज दुर्गा, तरुण दुर्गा, अर्जुन महानंद, अनिल बेनिया, हेमन्त बेहरा, सुभाष जगत, प्रकाश दुर्गा, कविता महानंद, रमेश सागर, गौरव तांडी, कविता महानंद, धरम हरपाल, रामचंद्र बेहरा मौजूद थे।

राहुल से देवेन्द्र की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / बड़ोदरा

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से छत्तीसगढ़ के भिलाई नगर विधायक और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव गुजरात प्रभारी देवेंद्र यादव ने गुजरात दौरे के दौरान बड़ोदरा में स्नेहिल मुलाकात की।

खास खबर

सरकार गैस नहीं दे पा रही अब केवाईसी का बहाना बनाया जा रहा - कांग्रेस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि सरकार जनता को गैस नहीं उपलब्ध करवा पा रही ऊपर से केवायसी का बहाना बना कर लोगों को गैस नहीं दिया जा रहा. एजेंसी वालों का कहना है सरकार का निर्देश है कि बिना के वाय सी के गैस की डिलीवरी नहीं दी जाय। घरेलू गैस नहीं मिलने के कारण आम आदमी और गृहणियां परेशान है ।सरकार अपनी कमी छुपाने जनता को परेशान कर रही है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार घरेलू गैस की समस्या दूर करने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं कर रही, लोग गैस एजेंसी के सामने लाइन लगाने को मजबूर हो गये है। महिलाएं चूल्हा बना कर लकड़ी से खाना बनाने को मजबूर हो गयी है। मोदी सरकार ने महिलाओं को ठगा है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि सरकार की नाक के नीचे कालाबाजारी हो रही 900 का सिलेंडर 3000 में बेचा जा रहा आम आदमी परेशान हो रहा है। गैस एजेंसियों के सामने लंबी-लंबी कतारें लगी हुई है। गैस कंपनियों के बुकिंग नंबर लगभग बंद है, सर्वर का बहाना बनाकर बुकिंग लेना बंद कर दिया गया है और सरकार जमीनी हकीकत को मानने को तैयार नहीं है। भाजपा नेता सत्ता के मद में जनता की समस्या को नकार रहे है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि लोगों के घर में गैस नहीं होने के कारण चूल्हे नहीं जल रहे और भाजपा कहती है अफवाहों पर ध्यान मत दे। सरकार ने अचानक से कमर्शियल गैस की सप्लाई क्यों बंद कर दिया? अचानक से कमर्शियल गैस की सप्लाई रोक देने से, होटल व्यवसाईयों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा जो लोग घर मे गैस की कमी से होटल से खाना मंगाना चाह रहे उनको होटल मे भी खाना नहीं मिल पा रहा।

नियमों की धज्जियां उड़ाकर फल-फूल रहा 'राजदूत बार'

अवैध कब्जे के साथ मानकों में भी भारी सेंध, जांच की उठी मांग, बार लाइसेंस देने में आमादा विभाग कलेक्टर को रख रहा अंधेरे में

नरेन्द्र डाकलिया / राजनांदगांव

शहर के जीई रोड स्थित 'होटल बार राजदूत एण्ड रेस्टोरेंट' के संचालन को लेकर एक नया और बड़ा खुलासा हुआ है। बार न केवल दूसरों की जमीन पर अवैध कब्जे (अतिक्रमण) पर खड़ा है, बल्कि आबकारी विभाग द्वारा निर्धारित अनिवार्य मापदंडों को भी ठेंगा दिखा रहा है। शिकायतकर्ता अभय कोटडिया ने दस्तावेजों के साथ दावा किया है कि विभाग के उच्चाधिकारियों को अंधेरे में रखकर लाइसेंस देने की तैयारी की जा रही है, जिसकी जांच अब राज्य आर्थिक अपराध ब्यूरो (EOW) और प्रवर्तन निदेशालय (ED) से कराने की मांग उठी है।

मानकों का मखौल : कागजों में 'सवर्सुविधायुक्त', हकीकत में 'जर्जर'

शिकायत में राजदूत बार के संचालन में निम्नलिखित गंभीर कमियों का उल्लेख किया गया है कि किचन और जल व्यवस्था: नियमों के विपरीत बार में किचन की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। साथ ही 24 घंटे शुद्ध पेयजल की उपलब्धता भी संदिग्ध है।

FSSAI लाइसेंस का अभाव: खाद्य सुरक्षा के मानकों को ताक पर रखते हुए, गत वर्ष का FSSAI लाइसेंस भी प्रस्तुत नहीं किया गया है।

आवास और लाउंज: बार के लिए 'सवर्सुविधायुक्त लाउंज' और रुकने की व्यवस्था अनिवार्य है, जो यहाँ धरातल पर मौजूद नहीं है।

जर्जर भवन और सुरक्षा: बिल्डिंग की हालत अत्यंत जर्जर है, जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि संस्थान के पास अग्निशमन विभाग (Fire Safety) का वैध प्रमाण पत्र भी नहीं है।

शपथ पत्र में 'झूठ' और विभागीय रिपोर्ट की पुष्टि

आबकारी नियमों के अनुसार, लाइसेंस हेतु दिए जाने वाले शपथ पत्र की कंडिका 7 के तहत स्थल 'आपत्ति रहित' होना चाहिए। शिकायतकर्ता का आरोप है कि संचालक ने इस संबंध में झूठा शपथ पत्र दिया है।

महत्वपूर्ण तथ्य: स्वयं आबकारी विभाग के उपायुक्त (राजस्व), दुर्ग संभाग ने अपनी जांच प्रतिवेदन (07 अगस्त 2025) में यह स्पष्ट किया है कि बार का निर्माण खरीदी गई भूमि से अधिक क्षेत्र (अतिक्रमण) पर है, जो स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन है।

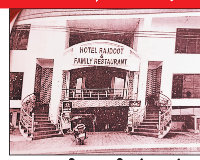

GST की गड़बड़ी और कलेक्टर को गुमराह करने का आरोप

दस्तावेजों में यह भी सामने आया है कि गत वर्ष GST रिटर्न में भी गड़बड़ी की गई है। जमीन मालिक के साथ चल रहे कानूनी विवाद और इतनी सारी खामियों के बावजूद, आबकारी विभाग द्वारा कलेक्टर को वस्तुस्थिति से अवगत कराए बिना लाइसेंस देने की जल्दबाजी पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय निवासी अभय कोटडिया द्वारा आबकारी विभाग को सौंपे गए दस्तावेजों और शिकायतों में बार संचालक पर दूसरों की जमीन पर अवैध कब्जा कर निर्माण करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

क्या है पूरा मामला?

शिकायतकर्ता अभय कोटडिया के अनुसार, राजदूत बार की संचालिका दीपा बग्गा के नाम पर खसरा नंबर 274/5 में केवल 0.0490 हेक्टेयर भूमि दर्ज है। लेकिन, हाल ही में हुई राजस्व विभाग की पैमाइश और सीमांकन रिपोर्ट में यह सामने आया है कि मौके पर उन्होंने कुल 0.0657 हेक्टेयर भूमि पर पक्का निर्माण कर कब्जा कर रखा है। यह उनकी खरीदी गई भूमि से 0.0167 हेक्टेयर (लगभग 1800 वर्ग फीट) अधिक है।

पड़ोसी की जमीन पर कब्जे का आरोप

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि सीमांकन रिपोर्ट (23 जनवरी 2025) के अनुसार, बार प्रबंधन ने पड़ोसी भू-स्वामी अभय कोटडिया की .0167 हेक्टेयर जमीन पर भी अवैध कब्जा कर रखा है। शिकायतकर्ता का तर्क है कि आबकारी नियमों के तहत बार संचालन के लिए निर्धारित क्षेत्र 'विवाद रहित' होना चाहिए, जबकि यहाँ स्पष्ट रूप से अतिक्रमण पाया गया है।

दस्तावेजों से पता चलता है कि आबकारी विभाग ने इस मामले में जांच रिपोर्ट तैयार की है। विभाग के अनुसार बार का संचालन पहले प्रभजीत सिंह बग्गा द्वारा किया जा रहा था, जिन्होंने वर्ष 2025-26 के लिए इसे अपने छोटे भाई हितेन्द्र बग्गा के नाम ट्रांसफर करने हेतु शपथ पत्र दिया था। सहायक आयुक्त आबकारी कार्यालय द्वारा जारी पत्रों में स्पष्ट किया गया है कि यदि बार संचालक सीमांकन रिपोर्ट से असंतुष्ट हैं, तो उन्हें सक्षम न्यायालय में चुनौती देनी चाहिए। वर्तमान में, वर्ष 2026-27 के लिए लाइसेंस आवेदन की प्रक्रिया के बीच शिकायतकर्ता ने पुनः आपत्ति दर्ज कराते हुए आवेदन को निरस्त करने की मांग की है।

नियमों के उल्लंघन का दावा

शिकायतकर्ता का कहना है कि लाइसेंस नवीनीकरण के लिए प्रस्तुत शपथ पत्र में गलत जानकारी दी गई है। नियमों के अनुसार, यदि बार का निर्माण अवैध भूमि पर है, तो वह आबकारी लाइसेंस प्राप्त करने की पात्रता नहीं रखता। इस मामले में अब सबकी नजरें आबकारी विभाग और जिला प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं। क्या विभाग इस अतिक्रमण को देखते हुए लाइसेंस रद्द करेगा, या बार संचालक न्यायालय की शरण लेंगे, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा।

अवैध निलंबन के खिलाफ कृषि विस्तार अधिकारियों के आंदोलन को मिला किसानों का मिला समर्थन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अवैध निलंबन के खिलाफ आंदोलन कर रहे कृषि विस्तार अधिकारियों के पंडाल में जाकर छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन के संयोजक एड राजकुमार गुप्त के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने किसानों की ओर से समर्थन प्रदान किया और निलंबन वापस लेने की मांग को समर्थन दिया,

पंडाल में उपस्थित हड़ताली कर्मचारियों को संबोधित करते हुए किसान प्रतिनिधियों ने कहा कि मादक पदार्थ की अवैध उपज लेने अथवा अवैध कारोबार करने की स्थिति में कार्यवाही करने पहली जिम्मेदारी आबकारी विभाग और पुलिस विभाग की है दोनों ही विभाग के लोगों को मादक पदार्थ की अवैध खेती करने की खबर नहीं लगी, इसके अलावा राजस्व विभाग द्वारा फसल की पड़ताल करने के लिए गिरदावरी किया जाता है इस साल फसल का सर्वे ड्रोन से किया गया है फिर भी राजस्व विभाग को मादक पदार्थ की खेती करने की जानकारी नहीं मिली, किस गांव के किस खसरे की भूमि में कौन मादक पदार्थ की अवैध खेती कर रहा है इसकी सीधे जिम्मेदारी कृषि विभाग की नहीं है फिर भी संबंधित क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी को प्राथमिक रूप से जिम्मेदार ठहराकर निलंबित किया गया जो उचित नहीं है,

छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन ने कृषि विस्तार अधिकारी के अवैध निलंबन को तत्काल प्रभाव से रद्द करने और पुलिस, आबकारी, राजस्व विभाग की जिम्मेदारी की जांच करने की मांग की है। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन के प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष आई के वर्मा, जिला अध्यक्ष उत्तम चंद्राकर, ब्लाक अध्यक्ष परमानंद यादव, बाबूलाल साहू, बद्री प्रसाद पारकर, मेघराज मढ़रिया, राजेन्द्र साहू आदि शामिल रहे।

घनश्याम "सामाजिक समरसता राज्य अलंकरण 2026" से हुए सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन के तत्वावधान में कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई में आयोजित गरिमामयी समारोह में बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी समाजसेवी घनश्याम कुमार देवांगन को सामाजिक समरसता राज्य अलंकरण वर्ष 2026 से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य अतिथियों एवं समाजजनों ने उनके दीर्घकालीन सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्पद बताया।

घनश्याम देवांगन विगत लगभग 40 वर्षों से देवांगन समाज के उत्थान एवं संगठनात्मक सुदृढ़ता के लिए निरंतर सक्रिय रहे हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ युवा देवांगन समाज के प्रदेश अध्यक्ष एवं देवांगन जन कल्याण समिति, भिलाई के अध्यक्ष के रूप में समाज में जागरूकता, एकता और सकारात्मक बदलाव लाने हेतु उल्लेखनीय कार्य किए हैं। समाज की आराध्य देवी माता परमेश्वरी एवं समाज के पुरोधाओं के नाम पर प्रतिभाओं, समाजसेवियों एवं दानदाताओं को सम्मानित कर उन्होंने समाज में नई चेतना एवं ऊर्जा का संचार किया है तथा सामाजिक कुरीतियों के निवारण हेतु सक्रिय भूमिका निभाई है। वे एक उत्कृष्ट वक्ता, कुशल मंच संचालक, चिंतक एवं लेखक होने के साथ-साथ प्रगतिशील विचारधारा के सशक्त प्रतिनिधि हैं। वर्ष 1990 के दशक में दुर्ग जिले में संचालित संपूर्ण साक्षरता अभियान एवं कुष्ठ उन्मूलन अभियान में परियोजना संयोजक के रूप में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए तत्कालीन मध्य प्रदेश के राज्यपाल मो. शफी कुरैशी द्वारा उन्हें सम्मानित किया जा चुका है।

इसके अतिरिक्त, बहुआयामी संस्था सृजन के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में भी उन्होंने सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक क्षेत्रों में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। वर्तमान में वे भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ के अध्यक्ष, इंडियन इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, भिलाई चैप्टर के वाइस चेयरमैन तथा छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे भिलाई इस्पात संयंत्र से सेवानिवृत्त अधिकारी हैं।

अपने समाज के साथ-साथ विभिन्न समुदायों के मध्य सामाजिक समरसता, सौहार्द एवं भाईचारे को सुदृढ़ करने में उनके विशिष्ट योगदान को दृष्टिगत रखते हुए यह सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण के विधायक ललित चंद्राकर, रिसाली निगम की महापौर शशि सिन्हा, सेफी एवं आफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेन्द्र बंछोर, संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मेघनाथ यादव, महासचिव लखनलाल साहू, कोषाध्यक्ष जीवन सिन्हा आदि सहित अनेक पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

देश की राजधानी में महिला मुद्दों पर संवेदनशील रिपोर्टिंग के लिए दो दिनों तक चला मीडिया मंथन

छत्तीसगढ़ की पांच महिला पत्रकारों ने किया प्रतिनिधित्व, दो दिवसीय राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन में हुआ सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली-भिलाई

महिला मुद्दों पर जिम्मेदार और संवेदनशील पत्रकारिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा नई दिल्ली स्थित सुषमा स्वराज भवन में दो दिवसीय मीडिया मंथन का आयोजन किया गया। 20-21 मार्च 2026 को आयोजित इस राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन में देशभर के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 70 से अधिक पत्रकारों ने भाग लिया।

इस नेशनल जर्नलिस्ट मीट में छत्तीसगढ़ की पांच महिला पत्रकारों ने प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। इनमें भिलाई से आईबीसी-24 की कोमल धनेसर, सेंट्रल क्रॉनिकल की ब्यूरो प्रमुख भावना पांडेय, हरिभूमि की संगीता मिश्रा और रायपुर से श्वेता शर्मा साथ ही न्यूज-24 की सुप्रिया पांडेय शामिल रहीं।

जेंडर-सेंसिटिव रिपोर्टिंग पर जोर

कार्यक्रम का उद्घाटन विजया रहाटकर (अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग) ने किया। इस दौरान सदस्य सचिव सुदीप जैन और अतिरिक्त सचिव बी राधिका चक्रवर्ती भी उपस्थित रहे। अध्यक्ष ने कहा कि मीडिया समाज की सोच को दिशा देता है, इसलिए महिलाओं से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर रिपोर्टिंग करते समय गरिमा, अधिकार और न्याय को प्राथमिकता देना जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जेंडर-सेंसिटिव रिपोर्टिंग का मतलब सनसनी नहीं, बल्कि महिलाओं की आवाज को सम्मान देना है।

कानून, नैतिकता और बदलते मीडिया पर चर्चा

सम्मेलन में मीडिया कानून, नैतिक ढांचा, महिलाओं से जुड़े कानून, बदलते मीडिया परिदृश्य और भाषा के प्रभाव जैसे विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। इसमें सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. पिंकी आनंद, एनसीडब्ल्यू के विधि अधिकारी मनमोहन वर्मा, भारतीय जनसंचार संस्थान की कुलपति डॉ. प्रज्ञा पालीवाल गौर और प्रसार भारती की स्वाति गुप्ता ने अपने विचार साझा किए। इस दौरान 'टू साइबर सखी' और 'रिपोर्टिंग विद डिग्निटी' पुस्तकों का विमोचन भी किया गया, जो पत्रकारों को नैतिक रिपोर्टिंग और डिजिटल सुरक्षा के लिए मार्गदर्शन देंगी। यह मीडिया मंथन कार्यक्रम पत्रकारिता में संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और सामाजिक सरोकार को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

छत्तीसगढ़ की पत्रकारों ने उठाए अहम मुद्दे

संवाद सत्र में छत्तीसगढ़ से शामिल पत्रकारों ने दुष्कर्म मामलों में पीड़ित की पहचान उजागर होने पर चिंता जताई। उन्होंने सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर जिम्मेदारी तय करने और स्पष्ट गाइडलाइन बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

पत्रकारिता में सीखना कभी खत्म नहीं होता

भिलाई की पत्रकार कोमल धनेसर ने कहा कि ऐसे आयोजन पत्रकारों को न सिर्फ नया सीखने का अवसर देते हैं, बल्कि संवेदनशील मुद्दों पर जिम्मेदार और बेहतर रिपोर्टिंग के लिए दिशा भी दिखाते हैं। संगीता मिश्रा का कहना है कि आयोजन में बहुत कुछ सीखने को मिला। मुद्दों की गंभीरता की सम-I हुई, भविष्य में काम करने में मदद मिलेगी।

ओटीटी पर डेब्यू करेंगी खुशाली कुमार

बोलीं–सपने के सच होने जैसा लग रहा है

फिल्म 'घुड़चड़ी' में रवीना टंडन और संजय दत्त के साथ अभिनय कर चुकीं खुशाली कुमार अब फिल्मों के बाद जल्द ही ओटीटी पर अपना डेब्यू करने वाली हैं। यह सीरीज का दूसरा भाग होगा, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगा।

किस सीरीज में नजर आएंगी खुशाली

फैशन और म्यूजिक वीडियो से शुरुआत करने वाली खुशाली अब फिल्मों और वेब सीरीज पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं। खुशाली कुमार वेब सीरीज 'सपने vs एवरीवन' के सीजन 2 में नजर आएंगी। इस सीरीज में खुशाली 'तृप्ती' नाम की लड़की की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज को लेकर खुशाली काफी उत्साहित हैं।

सीरीज को लेकर खुशाली की राय

हाल ही में मुंबई में एक इवेंट में खुशाली ने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सपने सच होने जैसा लग रहा है। पहली बार ओटीटी पर काम करना उनके लिए बहुत खास और भावुक अनुभव है।

इन फिल्मों में आ चुकी हैं खुशाली

खुशाली कुमार कई फिल्मों में अभिनय कर चुकी हैं। उन्हें आखिरी बार संजय दत्त और रवीना टंडन की फिल्म 'घुड़चढ़ी' में देखा गया था। इसके अलावा वह 'धोखा: राउंड डी कॉर्नर', 'स्टारफिश',, 'डेढ़ बीघा जमीन' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा, उन्होंने टी-सीरीज के कई लोकप्रिय संगीत वीडियो जैसे 'मैनु इश्क दा', 'हाईवे स्टार', और 'रात कमाल है' में भी काम किया है।

शुरुआत में दिन-रात करता था लगातार काम, अब समझ आई जिंदगी में संतुलन की अहमियत

टीवी इंडस्ट्री की दुनिया बाहर से जितनी चमकदार दिखाई देती है, उसके पीछे उतनी ही मेहनत और संघर्ष छिपा होता है। कलाकारों को लगातार शूटिंग करनी पड़ती है और कई बार दिन–रात काम करना पड़ता है। इस कड़ी में टीवी अभिनेता हितेन तेजवानी ने इंटरव्यू में अपने करियर के शुरुआती सालों की मेहनत और आज के बदले हुए नजरिए के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा भी था, जब वह 24 घंटे में करीब 18 से 19 घंटे तक काम किया करते थे।

हितेन तेजवानी ने अपने पुराने दिनों को याद किया और कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में शुरुआत के समय मेरा पूरा ध्यान सिर्फ काम पर ही रहता था। उस समय मैं लगातार शूटिंग में बिजी रहता था, नींद के लिए बहुत कम समय मिल पाता था और बाकी किसी चीज के बारे में सोचने का समय भी नहीं होता था। कई बार तो ऐसा होता था कि मैं 24 घंटे में 18 से 19 घंटे तक लगातार काम करता रहता था और मुश्किल से कुछ घंटे ही सो पाता था।''

हितेन ने कहा, ''उस समय मेरे अंदर काम को लेकर जबरदस्त जुनून था। मैं सिर्फ यही सोचता था कि मैं अपने काम को और बेहतर कैसे करूं। वही मेहनत और लगातार काम करने का जज्बा मुझे आज इस मुकाम तक लेकर आया है। अगर मैंने उस समय इतनी मेहनत न की होती, तो शायद आज मैं यहां तक नहीं पहुंच पाता और इतने लंबे समय तक इंडस्ट्री में टिक भी नहीं पाता।'' अभिनेता ने कहा, ''समय के साथ इंसान का नजरिया बदलता है। दो दशक से ज्यादा समय तक इंडस्ट्री में काम करने के बाद अब मुझे यह महसूस होता है कि जिंदगी में सिर्फ काम ही सब कुछ नहीं होता। लंबे समय तक लगातार काम करने के बाद एक ऐसा दौर आता है, जब इंसान को संतुलन की अहमियत समझ आने लगती है। अब मैं कोशिश करता हूं कि काम के घंटे सीमित हों, ताकि मुझे आराम और परिवार के लिए भी पर्याप्त समय मिल सके।'' हितेन ने कहा, ''आज मैं अपने काम को पूरी ईमानदारी और मेहनत से करता हूं, लेकिन साथ ही यह भी ध्यान रखता हूं कि जीवन के दूसरे पहलुओं को नजरअंदाज न करूं। परिवार के साथ समय बिताऊं, आराम करूं और मानसिक शांति बनाए रखूं, क्योंकि यह उतना ही जरूरी है, जितना कि पेशेवर सफलता हासिल करना।'' हितेन ने कहा, ''जो लोग इस इंडस्ट्री में आना चाहते हैं, उन्हें सबसे पहले अपने आप को समझना चाहिए। उन्हें यह जानना चाहिए कि उनकी ताकत क्या है और उनकी कमजोरियां क्या हैं। जब इंसान अपनी कमजोरियों को पहचान लेता है, तभी वह उन्हें सुधारने की दिशा में काम कर सकता है और खुद को बेहतर बना सकता है।''

नेपो किड के ठप्पे को मिटाने के लिए क्या आलिया ने उठाया ये कदम?

आलिया भट्ट ने हाल ही में अपने नए प्रोडक्शन प्रोजेक्ट 'डोंट बी शाय' को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह इस फिल्म के जरिए इंडस्ट्री के 'आउटसाइडर्स' यानी नए चेहरों को मौका देने जा रही हैं।

आउटसाइडर्स को मौका देंगी आलिया

यह बात आलिया ने करण जोहर के साथ अमेजन प्राइम के इवेंट के दौरान शेयर की, जहां दोनों के बीच मजेदार बातचीत भी देखने को मिली। करण ने मजाक करते हुए कहा कि आलिया अब एक समझदार प्रोड्यूसर बन चुकी हैं, वहीं आलिया ने जवाब दिया कि उन्होंने 'बेस्ट से सीखा है' कि नए एक्टर्स को कैसे लॉन्च किया जाता है।

क्या है फिल्म की कहानी?

'डोंट बी शाय' एक आने वाली फिल्म है, जो एक 20 साल की लड़की की कहानी पर आधारित है, जिसकी परफेक्ट लाइफ अचानक बदल जाती है। इस फिल्म को आलिया अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रही हैं। कुल मिलाकर, आलिया अब सिर्फ एक एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि नए टैलेंट को आगे लाने वाली प्रोड्यूसर के रूप में भी अपनी अलग पहचान बना रही हैं।

इमेज के लिए नहीं करता देशभक्ति फिल्में

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार ने अपनी कनाडाई नागरिकता पर खुलकर बात की है। अक्षय ने बताया कि उन्होंने कनाडा शिफ्ट होने का फैसला तब लिया था, जब उनकी बैक–टू–बैक 16–17 फिल्में फ्लॉप हो गई थीं। अक्षय ने साफ किया कि वह देशभक्ति वाली फिल्में अपनी कोई खास इमेज बनाने के लिए नहीं करते हैं, बल्कि इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें वह विषय सही लगते हैं।

लगातार फिल्में फ्लॉप हुईं तो लिया था फैसला

अक्षय कुमार ने बताया कि उनके करियर में एक ऐसा दौर आया था जब उनकी 16–17 फिल्में लगातार फ्लॉप हो गई थीं। अक्षय के मुताबिक, मेरे पास काम तो था लेकिन सिर्फ 3–4 फिल्में बची थीं। उस वक्त मुझे लगा कि अब कुछ और करना चाहिए। अक्षय ने कहा की कमाल की बात यह रही कि मेरी जो 3 फिल्में रिलीज होने वाली थीं, वो तीनों ही हिट हो गईं। मुझे फिर से भारत में काम मिलने लग गया। मैंने अपने दोस्त से कह दिया कि मैं अब नहीं आ रहा हूं और भारत में ही रहूंगा। जब अक्षय से पूछा गया कि क्या 'केसरी' जैसी फिल्में उन्होंने नेशनलिस्ट हीरो की इमेज बनाने के लिए कीं? इस पर उन्होंने कहा, मैं जो भी काम करता हूं, अपनी इमेज बनाने के लिए नहीं करता। मैं बहुत काम करता हूं, लेकिन देशभक्त की इमेज बनाने के लिए नहीं। मैं वो काम करता हूं जो मुझे अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है कि मैं ट्रोलिंग से बचने के लिए ऐसी फिल्में करता हूं, जबकि ऐसा नहीं है।

करण जौहर की 'नजदीकियां' में नजर आएंगे ताहा शाह बदुशा

आज के दौर में ओटीटी और फिल्मों की दुनिया तेजी से बदल रही है, और इसी बदलते समय में कुछ कलाकार ऐसे भी हैं जो धीरे–धीरे अपनी मेहनत से मजबूत पहचान बना रहे हैं। ताहा शाह बदुशा उन्हीं नामों में से एक बनकर उभर रहे हैं। संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' में अपने दमदार अभिनय से उन्होंने दर्शकों का ध्यान खींचा। अब वह एक बार फिर बड़े प्रोजेक्ट के साथ लौट रहे हैं, और ये प्रोजेक्ट है करण जौहर का। दरअसल, ताहा शाह बदुशा ने करण जौहर के नए प्रोजेक्ट 'नजदीकियां' को साइन किया है। यह फिल्म आधुनिक रिश्तों और भावनाओं पर आधारित बताई जा रही है, जो आज के दर्शकों को काफी हद तक अपनी जिंदगी से जुड़ी हुई महसूस हो सकती है। इस प्रोजेक्ट में ताहा के साथ परेश पाहुजा, आकांक्षा सिंह और निकिता दत्ता भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म को लेकर अभी से दर्शकों के बीच उत्सुकता देखी जा रही है। इस खास मौके पर ताहा शाह बदुशा ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह उनके लिए बेहद खास पल है। उन्होंने कहा, 'आज का दिन मेरे लिए बहुत खास है। धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म 'गिप्पी' का हिस्सा बनने से लेकर अब करण जौहर के साथ दोबारा काम करना, यह सच में एक फुल–सर्कल जर्नी जैसा लग रहा है। संजय लीला भंसाली के साथ काम करने के बाद, मैं 'नजदीकियां' के जरिए एक बिल्कुल नए स्पेस को एक्सप्लोर करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं आभारी हूं और बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि लोग मेरे इस नए काम को देखें।' अगर ताहा शाह बदुशा के करियर पर नजर डालें, तो उन्होंने शुरुआत साल 2011 में फिल्म 'लव का दी एंड' से की थी। इसके बाद वह 2013 में 'गिप्पी' में नजर आए, जहां उनके अभिनय को सराहा गया और इंडस्ट्री के बड़े लोगों ने भी उनके काम की तारीफ की। 2015 में उन्होंने 'बरखा' में काम किया। इसके बाद 2016 में वह करण जौहर की फिल्म 'बार–बार देखो' में नजर आए, 2017 में 'रांची डायरीज' में उनका काम देखने को मिला। धीरे–धीरे ताहा ने फिल्मों के साथ–साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर भी कदम बढ़ाया। उन्होंने वेब सीरीज 'बुलेट्स' और 'बेकाबू 2' में काम किया और अपने अभिनय के अलग–अलग रंग दिखाए। इतना ही नहीं, उन्होंने हॉलीवुड फिल्म 'द्रौपदी अनलीश्ड' में भी काम किया, जो उनके करियर का एक अलग अनुभव रहा। ताहा शाह बदुशा के करियर में सबसे बड़ा बदलाव तब आया, जब उन्हें संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' में काम करने का मौका मिला। इस सीरीज में उनके किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया और उन्हें नई पहचान मिली। अब 'नजदीकियां' के जरिए वह एक बार फिर दर्शकों के सामने आने वाले हैं।

कोई मुझे किसी चीज के लिए रोकता है, तो पसंद नहीं, जहां लगता है बोल देती हूं

दिव्या दत्ता आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। पंजाबी फिल्मों से लेकर बॉलीवुड और अब ओटीटी तक की दुनिया में वह धूम मचा रही हैं। साल 1994 में एक्टिंग डेब्यू करने के बाद दिव्या दत्ता ने अपने 32 साल लंबे करियर में कई तरह के किरदार निभाए और अपनी पहचान पुख्ता की। 2017 में आई 'इरादा' के लिए नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं दिव्या दत्ता इस वक्त अपनी नई सीरीज 'चिरैया' को लेकर चर्चा में हैं, जो रिलीज हो चुकी है। मैरिटल रेप जैसे संवेदनशील मुद्दे पर आधारित सीरीज 'चिरैया' के साथ–साथ दिव्या दत्ता ने इंटरव्यू में सिस्टरहुड, शादी रूपी संस्था पर बात की। इसके अलावा उन्होंने औरतों को एम्पावर करने की अहमियत, औरतों के बीच इन्सिक्योरिटी, अपनी शादी और पितृसत्तात्मक सोच को लेकर बात की।

आपकी सीरीज में एक जेठानी अपनी देवरानी के लिए खड़ी होती है, जो देखना काफी सुखद है। औरतों का एक–दूसरे को एम्पावर करना, सपोर्ट करना आप कितना जरूरी मानती है?

बहुत जरूरी है क्योंकि हमारे समाज में बहुत सी औरतें अपने लिए बोल नहीं पातीं। ऐसे में, कोई अपना नजरिया साइड में रखकर आपको सुने, एक–दूसरे को थामे तो हमारे समाज के लिए बहुत खूबसूरत बात होगी। मेरे भाई ने एक कविता लिखी थी– 'तुमने कहा था कि हम एक ही हैं तो अपने बराबर कर दो।' उसने लड़का होकर महिलाओं पर लिखी थी, जो बहुत पसंद की गई, बहुत वायरल हुई और मैं सोचती थी कि यह कविता इतनी क्यों हिट हुई? फिर मुझे अहसास हुआ कि बहुत सी महिलाएं बोल ही नहीं पातीं कि अपने बराबर कर दो ना। इस कविता के जरिए उन्हें लगा कि किसी ने तो उनके मन की बात बोली जो वो खुद नहीं बोल पातीं। इसी तरह इस शो में एक महिला दूसरी के लिए खड़ी हुई, वो भी उस रिश्ते में जो खून का नहीं है। वो मां बेटी नहीं, देवरानी जेठानी हैं, जिनके बीच मुकाबले, इनसिक्योरिटी की ही चर्चा होती है तो ये कितनी प्यारी बात है।

निजी जिंदगी में ऐसी कोई पितृसत्तात्मक सोच रही, जिसके खिलाफ विद्रोह करने का मन किया? या आपने उसे तोड़ा हो?

मेरी मां सिंगल मदर थीं। मैंने अपने पिता जी को बहुत कम उम्र में खो दिया था। उन्होंने अकेले ही मुझे पाला और हमें अपने फैसले खुद लेने की आजादी दी। उन्होंने मुझे बताया था कि उन्हें कहा गया था कि तुम्हें डॉक्टर ही बनना है तो वो डॉक्टर बन गईं। वो बहुत अच्छा लिखती थीं और बाद में भी लिखती रहीं। लेकिन उन्हें वो चुनने की आजादी नहीं मिली, तो उन्होंने मुझसे कहा कि अगर तुम एक्टर बनना चाहती हो तो बनो। मैं कल को ये नहीं सुनना चाहती कि तुम कहो कि मैं ये करना चाहती थी पर मेरी मां ने नहीं करने दिया। वो आजादी मेरे पास रही और इस सोच के साथ मैं बड़ी हुई हूं। ऐसे में, अगर कोई मुझे किसी चीज के लिए रोकता है, ऐसा अब भी होता है कि नहीं, नहीं ऐसे नहीं करो, तो मुझे पसंद नहीं और जहां मुझे लगता है कि बोलना चाहिए तो मैं बोल देती हूं।

'चिरैया' मैरिटल रेप जैसे संवेदनशील मुद्दे पर आधारित है। इस पर आपकी निजी राय क्या है?

असल में यह एक महिला की कहानी है, जिसकी जिंदगी में सब कुछ खूबसूरत चल रहा है। हालांकि, उसे जो सही या नॉर्मल लगता है, वो असल में है नहीं, मगर ये फैसला कौन करेगा कि क्या सही है, क्या गलत, क्योंकि हमारे यहां बहुत से लोगों को सही–गलत मालूम ही नहीं होता। एक ढर्रा चलता जाता है। हालांकि, हम कोई आंदोलन नहीं कर रहे हैं, पर यह कहानी इतनी रिलेटेबल है कि आपको लगेगा कि इसके बारे में लोगों का जागरूक करना चाहिए, क्योंकि बहुत से लोगों को पता ही नहीं है कि ऐसा हो रहा है।

शादी रूपी संस्था के बारे में आपकी क्या राय है? सलमान खान समेत बहुत से लोग अब इसे प्रासंगिक ही नहीं मानते ! आपने खुद शादी की अनिवार्यता की धारणा तोड़ी है !

मुझे समझ नहीं आता कि इसे इतना बड़ा मुद्दा क्यों बनाया जाता है? हर कोई मुझसे शादी को लेकर पूछता है। मुझे लगता है कि मुझे इसका जवाब ही नहीं देना है। इसमें धारणा तोड़ने जैसी बात ही नहीं है। यह मेरी जिंदगी है। मैं जैसा चाहूंगी वैसा करूंगी। उस पर बात करना उसे जस्टिफाई करना मुझे जरूरी नहीं लगता। बाकी रही दूसरों की सोच की बात, तो हर किसी का अपना नजरिया है। बहुत से लोग शादी करना चाहते हैं, कई नहीं करना चाहते। दोनों में से कोई भी गलत नहीं है। दोनों का अपना नजरिया है और हमें दोनों का सम्मान करना चाहिए।

जहर बन रहा पानी : गंडई में फूड सेफ्टी का छापा, बिना बैच नंबर के 80 बोरी पाउच सीज

मुनाफाखोरी में जनता की जान से किया जा रहा खिलवाड़

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

गंडई क्षेत्र में पैक्ड पेयजल के नाम पर चल रहे अवैध और खतरनाक कारोबार का बड़ा खुलासा हुआ है। रविवार को खाद्य सुरक्षा विभाग खैरागढ़ की टीम ने मेसर्स शिव जल इंडस्ट्रीस में औचक निरीक्षण किया, जहां जांच के दौरान गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। निरीक्षण में बिना बैच नंबर के पानी पाउच की करीब 80 बोरी बरामद की गई, जिन्हें तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया गया। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 1760 रुपये आंकी गई है।

इसके साथ ही सुहीनी ब्रांड के 250 मिलीलीटर पानी पाउच का नमूना विधिक प्रक्रिया के तहत गुणवत्ता जांच के लिए लिया गया है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी। इस कार्रवाई ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है,कि क्षेत्र में पैक्ड पानी के नाम पर बड़े स्तर पर लापरवाही और नियमों की

अनदेखी हो रही है। बिना बैच नंबर, निर्माण तिथि और एक्सपायरी जैसी अनिवार्य जानकारी के उत्पादों का बाजार में पहुंचना सीधे तौर पर खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है। यह सिर्फ नियमों की अनदेखी नहीं, बल्कि आम जनता की सेहत के साथ सीधा खिलवाड़ है। जानकारों के मुताबिक, पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर को लेकर भारत में सख्त नियम लागू हैं, जिनके तहत हर उत्पाद पर स्पष्ट लेबलिंग, गुणवत्ता परीक्षण और लाइसेंसिंग अनिवार्य है। इसके बावजूद गंडई और आसपास के क्षेत्रों में सस्ते मुनाफे के लालच में कई छोटे यूनिट बिना मानकों का पालन किए पानी पाउच तैयार कर बाजार में खपा रहे हैं। स्थिति यह है कि कम कीमत के कारण दुकानदार भी ऐसे उत्पादों को खुलेआम बेच रहे हैं, जिससे यह अवैध नेटवर्क लगातार फैलता जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मानें तो बिना जांच और मानकों के तैयार किया गया पानी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। दूषित पानी में बैक्टीरिया और हानिकारक तत्व होने की संभावना रहती है, जिससे पेट के संक्रमण, उल्टी-दस्त और अन्य जलजनित रोगों का खतरा बढ़ जाता है।ऐसे में यह सिर्फ एक प्रशासनिक उल्लंघन नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा बन जाता है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप जरूर मचा है, लेकिन बड़ा सवाल यही है कि क्या यह कार्रवाई स्थायी बदलाव ला पाएगी। जब तक नियमित निगरानी, सख्त दंड और उपभोक्ताओं में जागरूकता नहीं बढ़ेगी, तब तक इस तरह के अवैध कारोबार पर पूरी तरह लगाम लगाना मुश्किल नजर आता है। गंडई की यह घटना एक चेतावनी है कि पानी जैसे बुनियादी संसाधन को भी मुनाफाखोरी की भेंट चढ़ाया जा रहा है। अब जरूरत है कि प्रशासन लगातार सख्ती बरते और आम लोग भी सस्ते के लालच में अपनी सेहत से समझौता करने से बचें, क्योंकि यहां दांव पर सिर्फ पैसे नहीं, बल्कि जिंदगी है।

खास खबर

जामुल में आम आदमी पार्टी ने किया किसान न्याय सभा का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / जामुल

दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के जामुल ब्लॉक में आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में किसान न्याय सभा का आयोजन रविवार को रावण भाटा मैदान जामुल में किया गया ' जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में प्रदेश कमेटी के प्रदेश महासचिव सूरज उपाध्याय , संजीत विश्वकर्मा प्रदेश संगठन मंत्री एवं दुर्ग राजनांदगांव संभाग प्रभारी, देवेंद्र सिंह भाटिया प्रदेश सचिव, आरटीआई विंग के प्रदेश अध्यक्ष रघुराज ठाकुर, आरटीआई विंग प्रदेश सचिव संजय गुप्ता, प्रदेश सचिव एवं प्रदेश कार्यालय प्रभारी शिव कुमार शर्मा , दुर्ग लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती गीतेश्वरी बघेल दुर्ग लोकसभा उपाध्यक्ष शिवा रायडू , किसान विंग जिला अध्यक्ष रूपेंद्र चंद्राकार आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के आयोजन तथा संचालक ओम प्रकाश निर्मलकर दुर्ग जिला उपाध्यक्ष, दुर्ग जिला महासचिव अजय रामटेक, उमा निर्मलकर, धनाराम साहू ब्लॉक अध्यक्ष लक्ष्मण साहू, पवन पटेल, पुरुषोत्तम निषाद उमाशंकर शर्मा, प्रकाश वर्मा, अशोक काटे, गोपीचंद वर्मा, दिनेश सार्वा, सुरेश वर्मा, एवं मनोज गुप्ता तथा आम आदमी पार्टी के अन्य कार्यकर्ता साथी एवं पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

भाजपा ने संस्कृति प्रकोष्ठ सह संयोजक के पद पर वरुण जोशी को नियुक्त किया

दुर्ग। प्रदेश कार्यालय से जारी संस्कृति प्रकोष्ठ के लिस्ट में दुर्ग जिले से वरुण जोशी की नियुक्ति सह संयोजक के पद के रूप में हुई है। इससे वरुण जोशी के समथर्को एवं मित्रों में हर्षोल्लास का माहौल बना हुआ है,जिसकी खुशियां आपस में मिठाई बांटकर और आतिशबाजी कर मनाई गई। वरुण जोशी ने मोदी आर्मी संगठन के रूप जिले में राजनीति की शुरुआत की थी तत्पश्चात भाजयुमो में जिला मंत्री तथा उपाध्यक्ष पद पर भी पार्टी के कार्य करते रहे हैं। वरुण जोशी अपने अनोखे प्रदर्शन एवं विभिन्न प्रकार के आयोजनों को करने के रूप में जाना जाता है,संस्कृति प्रकोष्ठ के सह संयोजक नियुक्त किए जाने पर जोशी ने पार्टी के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक सहित पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट किया है।

अपर कलेक्टर ने चैत्र नवरात्रि पर पदयात्री मार्ग व सेवा पंडालों का किया निरीक्षण

दूर-दराज से बड़ी संख्या में पहुंच रहे दर्शनार्थी, चाक-चौबंद व्यवस्थाएं की गई सुनिश्चित

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय ने चैत्र नवरात्रि पर्व के दौरान माँ बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़ जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत पदयात्री मार्ग एवं विभिन्न सेवा पंडालों का निरीक्षण किया। उन्होंने सेवा पंडालों में विश्राम कर रहे पदयात्रियों से चर्चा कर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने, स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध रखने तथा पेयजल, साफ-सफाई और विद्युत की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। अपर कलेक्टर ने पदयात्रियों के लिए विश्राम, चाय-नाश्ता, भोजन, पेयजल एवं अन्य सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने पंडालों में तैनात स्वास्थ्य विभाग के मेडिकल स्टॉफ एवं उपलब्ध दवाइयों की भी जानकारी ली। उन्होंने आवश्यकता अनुसार मार्ग में बैरिकेडिंग कराने के निर्देश दिए।

चैत्र नवरात्रि के अवसर पर अंजोरा से डोंगरगढ़ तक पदयात्री मार्ग में विभिन्न स्थानों पर सेवा पंडाल स्थापित किए गए हैं, जहां श्रद्धालुओं को निरंतर सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु माँ बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। दुर्ग निवासी जितेन्द्र चंदेल ने बताया कि वे पिछले 10-12 वर्षों से अपने परिवार के साथ डोंगरगढ़ पैदल यात्रा कर माता के दर्शन करने आते हैं।

उन्होंने सेवा पंडालों में विश्राम, भोजन एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की सराहना की। उन्होंने बताया कि पैरों में छाले होने पर उन्हें तत्काल मलहम-पट्टी की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। इसी प्रकार रायपुर के आदर्श कन्नौजे ने बताया कि वे हर वर्ष अपने साथियों के साथ डोंगरगढ़ की यात्रा करते हैं।

ग्राम पंचायत सुकुलदैहान में स्थापित सेवा पंडाल में यात्रियों के लिए विश्राम, भोजन एवं उपचार की अच्छी व्यवस्था की गई है। जिले में समाजसेवी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ-साथ ग्राम पंचायतों द्वारा भी सेवा पंडालों के माध्यम से श्रद्धालुओं की सेवा की जा रही है। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर अभिषेक तिवारी, जनपद पंचायत राजनांदगांव के सीईओ मनीष साहू, जनपद पंचायत डोंगरगढ़ की सीईओ श्रीमती भगवती साहू तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

पीएमजीएसवाई विभाग की तत्परता से 2.45 किमी सड़क का कार्य मानक अनुसार कराया गया पूण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत आरडीसी रोड से बाकल लंबाई 2.45 किलो मीटर मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। निर्माण के दौरान विभाग द्वारा गुणवत्ता मानकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सतत निगरानी रखी गई। वर्तमान में पूरे मार्ग का डामरीकरण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा गुणवत्ता परीक्षण में कार्य संतोषजनक पाया गया है।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि पीएमजीएसवाई के तहत सड़कों की मजबूती और दीघर्कालिक गुणवत्ता सुनिश्चित करना प्राथमिक उद्देश्य है। अधीक्षण अभियंता दुर्ग संभाग बीएस पटेल द्वारा सड़क का निरीक्षण किया गया, जिसमें पूर्व में बिछाए गए ओवरहीट मटेरियल एवं उसके स्थान पर किए गए सुधार कार्य की समीक्षा की गई। उन्होंने सुधार कार्य को मानक अनुरूप पाते हुए संतोष व्यक्त किया।

कार्यपालन अभियंता ने बताया कि डामरीकरण के दौरान ठेकेदार लेखराम साहू के प्लांट में अचानक तकनीकी खराबी आने से डामर मिश्रण ओवरहीट हो गया, जो उपयोग के लिए अनुपयुक्त था। निरीक्षण के उपरांत ऐसे मटेरियल को तत्काल हटाकर पुनः मानक अनुसार डामरीकरण कराया गया।

इसके बाद पुनः प्लांट में आई खराबी के कारण बिछाए गए अनुपयुक्त मटेरियल को भी ग्रेडर के माध्यम से हटवाकर अगले ही दिन उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण कराया गया। तकनीकी अधिकारियों की उपस्थिति में प्रभावित हिस्सों का पुनर्निर्माण सुनिश्चित किया गया। कार्य में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए संबंधित ठेकेदार को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं तथा भविष्य में किसी भी प्रकार की तकनीकी त्रुटि या गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेड डील- अमेरिकी आर्थिक साम्राज्यवाद के खिलाफ किसानों का प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अमेरिका के साथ ट्रेड डील के विरोध में देश के किसान संगठनों ने आज अमेरिकी आर्थिक साम्राज्यवाद के खिलाफ प्रदर्शन किया, देश के किसान संगठनों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन ने भी दुर्ग में गांधी प्रतिमा के पास प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारी किसानों को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन के संयोजक एड राजकुमार गुप्त ने कहा कि आज के दिन ही साम्राज्यवादी हुकूमत के खिलाफ देश की आजादी के लिए संघर्षरत शहीद भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दी गई थी। आज किसानों को साम्राज्यवाद के खिलाफ संघर्ष करना पड़ रहा है, उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान पर हमला किया था जवाबी हमलों के बाद खाड़ी में 22 दिन से युद्ध चल रहा है जिसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। खेती किसानी के सभी उपकरण डीजल से चलते हैं और डीजल नहीं आ रहा है इसके अलावा खाद के बिना किसानी करना संभव नहीं है।

छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन के अध्यक्ष आई के वर्मा ने कहा कि ट्रेड डील के अनुसार अमेरिका से मक्का, सोयाबीन, कपास,

दलहन दूध और डेयरी उत्पादों के शून्य शुल्क में आयात होने के कारण उत्पादक किसानों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा।

किसानों को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष उत्तम चंद्राकर ने भगतसिंह और गांधी जी का स्मरण करते हुए कहा कि जिस तरह गांधी जी ने विदेशी कपड़ों की होली जलाई थी, नमक सत्याग्रह किया था वैसे ही किसानों को साम्राज्यवाद की लूट के खिलाफ संघर्ष करना होगा। प्रदर्शनकारी किसानों केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए आरोप लगाया कि वह डील में किसानों के हितों की रक्षा करने में विफल रही है, किसानों ने अमेरिकी साम्राज्यवाद के खिलाफ नारेबाजी किया और खाड़ी युद्ध बंद करने और ट्रेड डील रद्द करने की मांग की। आज के प्रदर्शन में परमानंद यादव, बाबूलाल साहू, मेघराज मढ़रिया, बद्री प्रसाद पारकर, राजेन्द्र साहू, संजय ताम्रकार, जैतराम, अंगद साहू आदि शामिल रहे।

पीएम-आशा योजना : समर्थन मूल्य पर की जा रही दलहन-तिलहन की खरीदी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में रबी मौसम की दलहन एवं तिलहन फसलों का उत्पादन करने वाले किसानों से प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा रही है। इसके लिए कृषि सहित संबंधित विभागों को किसानों का शीघ्र पंजीयन सुनिश्चित करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिले में प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) के तहत 15 प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के उपार्जन केंद्रों तथा एक एफपीओ स्वर्ण उपज महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड, सुकुलदैहान के माध्यम से खरीदी की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा नाफेड के माध्यम से दलहन एवं तिलहन फसलों का उपार्जन किया जा रहा है। जिसके लिए सोयाबीन 5 हजार 328 रूपए प्रति क्विंटल, अरहर 8 हजार रूपए प्रति क्विंटल, चना 5 हजार 875 रूपए प्रति क्विंटल, मसूर 7 हजार रूपए प्रति क्विंटल तथा सरसों 6 हजार 200 रूपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है।

उपसंचालक कृषि टीकम सिंह ठाकुर ने बताया कि इस सप्ताह जिले में कुल 347 क्विंटल दलहन-तिलहन की खरीदी की गई है। इसमें एफपीओ सुकुलदैहान द्वारा 75 किसानों से 53

क्विंटल चना, 220 क्विंटल मसूर एवं 1 क्विंटल सरसों तथा सेवा सहकारी समिति तुमड़ीबोड़ द्वारा 73 क्विंटल सोयाबीन की खरीदी की गई है। एकीकृत किसान पोर्टल में पीएसएस के तहत चना के लिए 529 किसान, मसूर के लिए 264 किसान एवं राई व सरसों के लिए 82 किसानों सहित कुल 649 किसानों द्वारा पंजीयन कराया जा चुका है। शेष किसानों से भी अपील की गई है कि वे शीघ्र पंजीयन कर योजना का लाभ ले सकते हैं। किसान एकीकृत किसान पोर्टल एवं नाफेड के ई-समृद्धि पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन कराएं, ताकि खरीदी की राशि सीधे उनके बैंक खातों में प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि यह योजना दलहन-तिलहन क्षेत्र के विस्तार और किसानों की आय वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस्पात मजदूर संघ ने संयंत्र के आईआर विभाग में विभिन्न मुद्दों को लेकर सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सोमवार को आई आर विभाग में भिलाई इस्पात मजदूर संघ का प्रतिनिधिमंडल के द्वारा संघ के महामंत्री चन्ना केशवलू के नेतृत्व में आई आर विभाग के महाप्रबंधक विकास चन्द्रा एवं प्रियंका मीणा सीनियर मैनेजर को संयंत्र से सम्बंधित विभिन्न मुद्दों को लेकर भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी के नाम ज्ञापन सौंपा गया एव संयंत्र प्रबंधन से इन सभी मांगों को त्वरित निराकरण करने की मांग की ।

सोमवार को भिलाई इस्पात मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने संयंत्र में व्याप्त विभिन्न मुद्दों एवं टाउनशिप ,मेडिकल से संबंधित मुद्दों पर आई आर विभाग में चर्चा हुई और इन सभी मुद्दों को भिलाई इस्पात मजदूर संघ प्रबंधन से तत्काल निराकरण करने का माँग की ।

भिलाई इस्पात मजदूर संघ के महामंत्री चन्ना केशवलू एवं पदाधिकारियों ने भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी को पत्र लिखकर कर्मचारियों और टाउनशिप की ज्वलंत समस्याओं के तत्काल निराकरण की मांग की है। संघ ने स्पष्ट कहा है कि यदि प्रबंधन ने समय रहते उचित कदम नहीं उठाए,

तो कमर्चारियों के बढ़ते आक्रोश का सीधा असर संयंत्र के उत्पादन पर पड़ सकता है।

नॉन-फाइनेंशियल स्कीम का विस्तार हो

संघ ने प्रबंधन द्वारा 11 मार्च 2026 से शुरू की गई 'नॉन-फाइनेंशियल स्कीम' का स्वागत तो किया, लेकिन इसकी अवधि (31 मार्च तक) को अत्यंत कम बताया है। महामंत्री ने मांग की है कि पूर्व वर्षों की भांति गर्मी के महीनों में उत्पादन की गति बनाए रखने के लिए इस स्कीम को 30 जून 2026 तक बढ़ाया जाए। सेक्टर-9 अस्पताल में मरीजों की अत्यन्त दुदर्शा झेलनी पड़ रही है। पत्र में सेक्टर-9 अस्पताल की अव्यवस्थाओं पर कड़ा प्रहार किया गया है। संघ के अनुसार, अस्पताल की सीटी स्कैन मशीन लंबे समय से खराब है, जिसके कारण अपॉइंटमेंट लेकर आने वाले कर्मचारी और उनके परिजन प्रतिदिन भटकने को मजबूर हैं। इसके अलावा, भीषण गर्मी को देखते हुए सभी ओपीडी प्रतीक्षालयों में तत्काल कूलर की व्यवस्था करने की मांग की गई है।

प्रमुख आर्थिक और सुरक्षा संबंधी मांगें

महामंत्री चन्ना केशवलू ने निम्नलिखित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रबंधन का ध्यान आकृष्ट किया है।

इंसेंटिव स्कीम: वर्ष 2007 से लंबित इंसेंटिव स्कीम का तत्काल पुनरीक्षण (Revision) किया जाए ताकि कर्मचारियों को हो रहे आर्थिक नुकसान को रोका जा सके।

NPS विकल्प: SEBF फंड को NPS में मर्ज करने के मामले में कर्मचारियों को विकल्प चुनने की सुविधा प्रदान की जाए।

टाउनशिप व जलापूर्ति: भीषण गर्मी में टाउनशिप वासियों को दो समय पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित हो।

सड़क सुरक्षा: मुर्गा चौक से खुर्सीपार गेट तक अंधेरे के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है, वहां तत्काल प्रकाश व्यवस्था की जाए। साथ ही बोरिया गेट और इस्पात भवन मार्ग पर भारी वाहनों के अनियंत्रित जमावड़े और अवैध कब्जों पर रोक लगाई जाए।

संघ ने चेतावनी दी है कि संयंत्र में शांति और निरंतर उत्पादन के लिए प्रबंधन को इन मूलभूत मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करना चाहिए एवं तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए ।इन सभी माँगो को प्रबंधन समय पर पूर्ण करें अन्यथा भिलाई इस्पात मजदूर संघ जन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा जिसकी इसके पूर्ण ज़िम्मेदारी प्रबंधन की होगी ।बैठक में प्रमुख रूप से संघ के उपाध्यक्ष सुधीर गडेवाल, मृगेंद्र कुमार, संयुक्त महामंत्री प्रदीप कुमार पाल ,अनिल गजभिये, जोगेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष रवि चौधरी, सचिव ए.वेंकट रमैया, गंगा राम चौबे,पूरन लाल साहू,संतोष सिंह,नारायन प्रसाद बाजपेयी, अरूप राय उपस्थित थे ।यह जानकारी संघ के महामंत्री चन्ना केशवलू ने दी ।

जिले में गौधाम संचालन के लिए संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले के नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गौधाम के सुचारू संचालन के लिए इच्छुक संस्थाओं से रूचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित की गई है। गौ पालन, संवर्धन एवं सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाली योग्य संस्थाएं इस प्रक्रिया में भाग लेकर गौधाम संचालन की जिम्मेदारी संभाल सकती हैं।

उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं कार्यालय से जारी जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग में पंजीकृत गौ पालन समितियां, स्वयंसेवी संस्थाएं, एनजीओ ट्रस्ट, फार्मर प्रोड्यूसर कंपनियां एवं सहकारी समितियां आवेदन के लिए पात्र हैं। ये संस्थाएं शहरी, नगरीय निकाय और ग्रामीण क्षेत्रों में गौधाम संचालन के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकती हैं। निर्धारित प्रारूप में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च को दोपहर 3 बजे तक तय की गई है। इच्छुक संस्थाओं को अपने आवेदन कार्यालय उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, गौरव पथ पद्मनाभपुर, दुर्ग में कार्यालयीन दिवसों के दौरान जमा करना होगा।

विस्तृत जानकारी के लिए इच्छुक आवेदक कार्यालयीन समय सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं कार्यालय, गौरव पथ पद्मनाभपुर से संपर्क कर सकते हैं। प्रशासन ने अधिक से अधिक योग्य संस्थाओं से इस प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है, ताकि गौधामों का बेहतर संचालन सुनिश्चित किया जा सके और गौ सेवा को बढ़ावा मिल सके।

एक एहसास अपनेपन का...

स्पर्श

मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल

NABH Certified | QCI

डॉ. दीपक वर्मा
डायरेक्टर एवं आर्थोपेडिक सर्जन

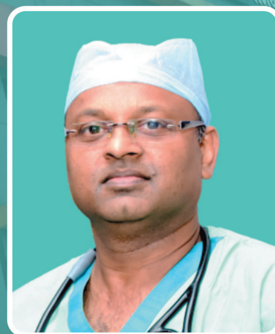

डॉ. संजय गोयल
डायरेक्टर, एनेस्थीसियोलॉजिस्ट एवं इंटेंसिविस्ट

हमें ख्याल है आपके परिवार का, इसलिए हम सुनिश्चित करते है

सुरक्षित एवं बेहतरीन सेवाएं

हमारी सेवाएं

- हृदय रोग विभाग
- गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभाग
- एंड्रोक्राइनोलॉजी विभाग
- मूत्र एवं गुर्दा रोग विभाग
- न्यूरोसाइंस विभाग
- प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
- शिशु एवं बाल्य रोग विभाग
- हड्डी रोग, रोबोटिक जोड़ प्रत्यारोपण एवं आर्थोस्कोपिक सर्जरी विभाग
- मेडिसिन एवं श्वास रोग विभाग
- लैप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी विभाग
- नेत्र रोग विभाग
- त्वचा रोग विभाग
- रेडियोलाजी, पैथोलाजी, माइक्रोबॉयोलाजी विभाग
- फिजियोथैरेपी विभाग

हमारी विशेषताएँ - उपलब्धियाँ जो हमें गौरवांवित करती है

- विश्व के आधुनिकतम रोबोट द्वारा जोड़ प्रत्यारोपण
- राज्य की सबसे आधुनिक एंडोस्कोपी एवं कोलोनोस्कोपी मशीन
- सबसे उन्नत न्यूरो माइक्रोस्कोप मशीन जिससे न्यूरो एवं अन्य जटिल ऑपरेशन संभव
- 50 हजार से ज्यादा मरीजों का **IPD** में इलाज
- श्रम विभाग द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता के लिए सम्मानित
- सर्वश्रेष्ठ स्वच्छता पुरस्कार से सम्मानित
- सर्वश्रेष्ठ आयुष्मान हॉस्पिटल से सम्मानित
- 2018 में डेंगू महामारी के समय 9000 से अधिक मरीजों का इलाज
- कोविड महामारी के समय 22000 से अधिक मरीजों का इलाज

List of Corporate Partners

South East Central Railway, Raipur & Nagpur | ACC Cement (Adani Group) | Bharat Earh Movers Ltd | Bank of Baroda | Bhilai Engineering Corporation Ltd. | Chhattisgarh State Power Company Ltd | Coal India Limited | Engineering Project Ltd. | Food Corporation of India | Hindustan Coper Limited (HCL) | Indian Boiler Group | IIT Bhilai | Jaiswal Necco | Life Insurance Corporation of India (LIC) | NMDC Ltd | NSPCL | NTPC Ltd. | Power Gird Corporation of India Ltd. | Reliance Industries | Rites Ltd. | SISCOL | Airport Authority of India | Vishwa Vishal Engineering | Vossloh Beekay

स्पर्श मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल, राम नगर, सुपेला, भिलाई

www.sparshbhilai.com corporate@sparshbhilai.com 0788 4252222, 72250 59701

CALL FOR AMBULANCE 62691 62691

SCAN FOR LOCATION

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंदु स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।